संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 71
पृष्ठ 8
शुक्रवार
28 नवम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जल्द ही बनने जा रही है दुल्हन....

विचार- नारी सिक्षा और साक्षरता से ...

खेल- भारत अब स्पिन के खिलाफ...

नई ऊंचाई पाना है तो अध्यात्म अपनाएं: योगी

● सीएम योगी ने मुरादनगर में भगवान पार्श्वनाथ के भव्य गुफा मंदिर का उद्घाटन किया

गाजियाबाद,संवाददाता। सीएम योगी ने गुरुवार को गाजियाबाद के मुरादनगर में भगवान पार्श्वनाथ के भव्य गुफा मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा– आज यहां मैं जब आया तो आचार्य प्रसन्नसागर जी महाराज और उपाध्याय मुनिश्री सागर महाराज की दिनचर्या को देखा। 557 दिनों की कठोर साधना, 496 दिनों के निर्जल उपवास, तप, अनुशासन का अद्भुत उदाहरण देखा। योगी ने कहा– जैन तीर्थंकरों ने समाज को नई प्रेरणा दी। हमें ध्यान रखना होगा कि अगर मानव सभ्यता को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना है तो भारत के अध्यात्म की शरण में जाना पड़ेगा। हम सब को इस बारे में गौरव की अनुभूति होनी चाहिए कि हम भारत के ऋषि–मुनियों के मार्ग पर चलें तो विश्व मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त होगा। योगी ने कहा– अभी पिछले दिनों श्रावस्ती गए, वहां भगवान संभवनाथ का जन्म जैन तीर्थंकर के रूप में हुआ। भगवान महावीर का जन्म वैशाली में हुआ, लेकिन महापरिनिर्वाण उन्होंने यूपी के कुशीनगर के पावागढ़ (फाजिलनगर) में लिया। आज हमें बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि हमारी सरकार ने उस महापरिनिर्वाण स्थली फाजिलनगर का नाम पावानगरी करने जा रही है। यह गुफा मंदिर मात्र 100 दिनों में बनकर तैयार हुआ है। मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। इसे जमीन के नीचे लगभग 20 फीट की गहराई में बनाया गया है। गुफा में प्रवेश और निकास के लिए दो अलग–अलग रास्ते तैयार किए गए हैं। मुख्य द्वार से श्रद्धालु अंदर प्रवेश कर मंदिर में दर्शन कर सकेंगे, जबकि दर्शन के बाद दूसरी ओर बने मार्ग से बाहर निकलने की व्यवस्था की गई है। गुफा का ऊपरी और बाहरी ढांचा छोटी–छोटी पहाड़ियों के आकार में निर्मित है, जिसे चारों तरफ से इस प्रकार से संरक्षित किया गया है कि बारिश या पानी की बौछारें मंदिर परिसर तक न पहुंच सकें। आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य तथा मुनि श्री पीयूष सागर जी महाराज के निर्देशन में यहां 26 से 30 नवंबर 2025 तक भगवान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी महोत्सव की विशेष आध्यात्मिक उपलब्धि के रूप में 100 दिनों में निर्मित इस भव्य "गुफा मंदिर" का लोकार्पण संपन्न हुआ।

स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस के उद्घाटन पर बोले पीएम मोदी

भारत के प्राइवेट सेक्टर का अंतरिक्ष टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्काइरूट इन्फिनिटी कैंपस का उद्घाटन किया। स्काइरूट इन्फिनिटी कैंपस, अंतरिक्ष क्षेत्र में काम करने वाला एक स्टार्टअप है। पीएम मोदी ने इस दौरान अपने संबोधन में कहा कि आज देश का अंतरिक्ष क्षेत्र एक अभूतपूर्व अवसर का साक्षी बन रहा है। आज भारत के स्पेस इको सिस्टम में निजी सेक्टर बड़ी उड़ान भर रहा है। स्काइरूट इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और युवा शक्ति को दर्शाता है। साथ ही यह सरकार के अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों को भी नतीजा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी युवाशक्ति की नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता और उद्यमशीलता नई बुलंदी को छू रही है। भारत के प्राइवेट सेक्टर का अंतरिक्ष टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना रहा है। आज वैश्विक निवेश के लिए भारत का अंतरिक्ष सेक्टर एक लुभावनी जगह बन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप नई उम्मीद दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के शुरुआती दौर, जब रॉकेट साइकिल पर ले जाए जाते थे, और अब भारत के सबसे विश्वसनीय लॉन्च व्हीकल बनकर उभरने का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि श्यह सफर भले ही कम संसाधनों के साथ शुरू हुआ, लेकिन विकास ने साबित कर दिया कि पक्का इरादा ही सपनों को तय करता है। बदलते समय में अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है, जिसमें संचार, मौसम का अनुमान, शहरी विकास योजना और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हो गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, श्हमने स्पेस सेक्टर में ऐतिहासिक सुधार किए हैं, इसे प्राइवेट सेक्टर के लिए खोला है, नई स्पेस पॉलिसी बनाई है। स्टार्टअप्स और इंडस्ट्री को नवाचार से जोड़ा है, इन–स्पेस शुरू किया है। उन्होंने आगे कहा कि न्यूक्लियर सेक्टर को भी निजी क्षेत्र के लिए खोलने की योजना है।

बिहार में सुशासन सुनिश्चित करने के लिए और मजबूती से काम करेगी राजग सरकार : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में नवगठित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार राज्य में सुशासन सुनिश्चित करने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगी। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में राजग सरकार के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में शाह से मुलाकात की, जिसके बाद शाह ने यह टिप्पणी की। शाह ने 'एक्स' पर लिखा, बिहार की जनता ने राजग को भारी बहुमत दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में, सरकार सुशासन सुनिश्चित करने और विकसित बिहार के विजन को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक मजबूती से काम करेगी। पिछली कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री रहे चौधरी को इस बार भी उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। विधानसभा चुनावों में243 में से 202 सीट पर राजग की जीत के बादउन्हें राज्य में भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता भी चुना गया। चुनाव में राज्य की 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 सीट जीतकर भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। नए मंत्रिमंडल में पार्टी के 14 मंत्री बनाए गए हैं।

बीएसएफ ने साइकिल में छिपाए गए एक करोड़ रुपये से अधिक के सोने के बिस्कुट जब्त किए

मालदा, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के सात सोने के बिस्कुट जब्त किए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के अंतर्गत, भारत–बांग्लादेश सीमा पर तैनात बीएसएफ की 119वीं बटालियन ने बुधवार को यह सामान बरामद किया। बीएसएफ के बयान के अनुसार, सोने के बिस्कुट एक साइकिल में छिपाए गए थे। तलाशी के दौरान साइकिल सवार उसे वहीं छोड़ कर फरार हो गया। बयान के मुताबिक, कुल 816.41 ग्राम सोना जब्त किया गया है। बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 1.02 करोड़ रुपये आंकी गई है।

अजित पवार के विवादित बयान पर शरद पवार ने कहा, पैसों का वादा कर वोट मांगना गलत है

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के 'वोट तुम्हारे हाथ में है तो निधि (कोष) हमारे हाथ में है' वाले बयान पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के प्रमुख शरद पवार ने बृहस्पतिवार को उन्हें आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वित्तीयआश्वासन के आधार पर वोट मांगना गलत है। पुणे जिले के बारामती में संवादाताओं से बात करते हुए शरद पवार ने यह भी कहा कि बारिश और बाढ़ के कारण हुए नुकसान के लिए किसानों को राज्य सरकार द्वारा दी गई सहायता पर्याप्त नहीं है। राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) का नेतृत्व कर रहे अजित पवार ने पिछले सप्ताह पुणे जिले की बारामती तहसील के मालेगांव में मतदाताओं से कहा कि यदि वे उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनेंगे तो शहर के लिए कोष की कमी नहीं होने देंगे लेकिन अगर मतदाताओं ने उन्हें ''नकार'' दिया गया, तो वह भी ''नकार'' देंगे। राज्य के विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को होने वाले हैं। उपमुख्यमंत्रीकी टिप्पणियों के बाद इस बात पर बहस चल रही है कि राज्य के कोष को कौन नियंत्रित करता है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य शक्ति और शांति के संकल्प का प्रतीक : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति और तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मु ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आतंकवाद–रोधी और प्रतिरोधक रणनीति का प्रतीक बताते हुए कहा है कि भारत शांति चाहता है लेकिन अपनी सीमाओं तथा लोगों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है। श्रीमती मुर्मु ने गुरुवार को यहां सेना द्वारा आयोजित संगोष्ठी चाणक्य डिफेंस डायलॉग–2025 के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने देश की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवराना दक्षता और देशभक्ति का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, हमारे बलों ने हर सुरक्षा चुनौती चाहे पारंपरिक हो, उग्रवाद विरोधी हो या मानवीय , हमारे बलों ने अद्भुत क्षमता और दृढ़ संकल्प दिखाया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता को देश की आतंकवाद–रोधी और प्रतिरोधक रणनीति का निर्णायक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा, इसने न केवल भारत की सैन्य क्षमता को दुनिया के सामने रखा, बल्कि जिम्मेदार और दृढ़ तरीके से शांति के लिए कार्य करने की भारत की नैतिक स्पष्टता को भी प्रदर्शित किया। श्रीमती मुर्मु ने कहा सशस्त्र बल अपने संचालन दायित्वों से परे राष्ट्रीय विकास के स्तंभ भी हैं। सीमाओं को मजबूत करने के साथ–साथ उन्होंने बुनियादी ढाँचा, कनेक्टिविटी, पर्यटन और शिक्षा के माध्यम से सीमा क्षेत्र के विकास में भी योगदान दिया है। राष्ट्रपति ने कहा कि मौजूदा भू–राजनीतिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। वैश्विक व्यवस्था प्रतिस्पर्धी शक्ति केंद्रों, तकनीकी उथल–पुथल और बदलते गठबंधन के कारण नया आकार ले रही है। साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध जैसे नए प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों ने शांति और संघर्ष की रेखाओं को धुंधला कर दिया है। उन्होंने कहा कि श्वसुधैव कुटुंबकमश् की हमारी सभ्यतागत भावना से प्रेरित होकर भारत ने दिखाया है कि रणनीतिक स्वायत्तता वैश्विक जिम्मेदारी के साथ हमारी कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बल मिलकर ऐसे भारत की छवि प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपने सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ तैयार है। राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जाहिर की कि सेना बदलाव के दशक के अंतर्गत सुधारों के माध्यम से स्वयं को बदल रही है। वह संरचनाओं में सुधार कर रही है, सिद्धांतों को पुनर्परिभाषित कर रही है और सभी क्षेत्रों में भविष्य के लिए सक्षम बनने के लिए क्षमताओं का पुनर्निर्माण कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये रक्षा सुधार भारत को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होंगे। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि सेना युवाओं और मानव संसाधन में निवेश कर रही है। वह शिक्षा, एनसीसी विस्तार और खेलों के माध्यम से युवाओं में देशभक्ति का भाव विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि युवा महिला अधिकारियों और सैनिकों की भूमिका तथा सहभागिता के विस्तार से समावेशिता की भावना को बढ़ावा मिलेगा और इससे अधिक युवा महिलाएं सेना में शामिल होने और अन्य पेशों को अपनाने के लिए प्रेरित होंगी। राष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग–2025' की चर्चा और निष्कर्ष राष्ट्रीय नीति के भविष्य के आयाम तय करने में नीति–निर्माताओं को मूल्यवान दृष्टि प्रदान करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि सशस्त्र बल उत्कृष्टता की ओर निरंतर प्रयासरत रहेंगे और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ता और संकल्प के साथ आगे बढ़ते रहेंगे।

इसरो प्रमुख ने भारत के पहले निजी नेविगेशन केन्द्र 'एसीईएन' का शुभारंभ किया

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने भारत के पहले निजी क्षेत्र के नेविगेशन नवाचार केंद्र अनंत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नेविगेशन (एसीईएन) का उद्घाटन केरल के तिरुवनंतपुरम में किया। अनंत टेक्नोलॉजीज द्वारा स्थापित इस केंद्र का उद्घाटन मंगलवार को किया गया। उद्घाटन समारोह में रक्षा, अंतरिक्ष और शैक्षणिक संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए थे। कंपनी ने नेविगेशन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह आधुनिक रक्षा और नागरिक जीवन की अदृश्य रीढ़ है। इस दृष्टि से यह केंद्र नेविगेशन प्रौद्योगिकियों में राष्ट्र की आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। गौरतलब है कि 1992 में स्थापित अनंत टेक्नोलॉजीज ने इसरो और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के हर प्रमुख मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने उपग्रहों तथा प्रक्षेपण यानों में सटीक सेंसर विकास, 'एयरवर्थनेस प्रोटोकॉल' और सिस्टम एकीकरण के लिए अपनी अलग ही पहचान बनायी है। मिसाइलों और विमानों से लेकर जहाजों और उपग्रहों तक सटीक नेविगेशन सुरक्षा मिशन की सफलता और सटीकता को तय करता है। भारत का पिछला अनुभव बताता है कि संघर्ष के दौरान विदेशी जीपीएस सूचना पर निर्भरता कितना घातक हो सकता है। विदेशी इकाइयाँ ऐसी सूचना देने से मना कर सकती है। हमारे रक्षा उपकरणों में इस्तेमाल हुए विदेशी नेविगेशन प्रणालियों के रखरखाव और मरम्मत के संबंध दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि किसी भी प्रकार की खराबी आने की स्थिति में उन उपकरणों को विदेशी इकाइयों के पास भेजना पड़ता है। इससे न सिर्फ देरी का सामना करना पड़ता है, बल्कि यह हमारी संप्रभुता के साथ भी समझौता है। एसीईएन की स्थापना एक ऐसे केंद्र के रूप में की गयी है, जो भारत में अगली पीढ़ी की नेविगेशन प्रणालियों को विकसित कर देश की बाहरी निर्भरता को खत्म करेगा। नीति आयोग के विजन 2035 के अनुसार ही यह केंद्र भारत को नेविगेशन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। यह स्वदेशी सेंसर के विकास और एआई आधारित उन्नत नेविगेशन के विकास में मदद करेगा। साथ ही, नाविक प्रणाली को नागरिक और सैन्य क्षेत्र में अपनाने में मदद करेगा। अपने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह केंद्र उद्योग, शिक्षा जगत तथा वैज्ञानिक एजेंसियों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देगा।

ऑनलाइन कट्टरपंथ फैलाने वाला 19 साल का युवक जम्मू में गिरफ्तार, ISI कनेक्शन की आशंका

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को एक 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया, जो बाहु फोर्ट पुलिस स्टेशन में दर्ज भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 113(3) के तहत एफआईआर संख्या 331/2025 में मुख्य संदिग्ध के रूप में उभरा है। मूल रूप से रियासी जिले का रहने वाला और वर्तमान में जम्मू के बठिंडी इलाके में रहने वाला आरोपी, खुफिया जानकारी के बाद हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जाँच से संकेत मिलता है कि युवक को कथित तौर पर ऑनलाइन कट्टरपंथी बनाया जा रहा था और वह आतंकवाद से संबंधित किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। जाँच से यह भी पता चला है कि वह पाकिस्तान और अन्य विदेशी देशों के कुछ विशिष्ट फ़ोन नंबरों से संपर्क में था। कार्रवाई के दौरान, पुलिस ने उसके मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित उसके डिजिटल उपकरणों को जब्त कर लिया, जिनकी अब जाँच की जा रही है और संभावित लिंक, संपर्क और संचार के रास्तों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक विश्लेषण किया जा रहा है। संदिग्ध से चल रही जाँच के तहत विस्तृत पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जैसे–जैसे जाँच आगे बढ़ेगी और डिजिटल साक्ष्यों की जाँच होगी, और भी खुलासे होने की उम्मीद है। 21 अगस्त को, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर, जब मंगल सिंह के अपहरण का संदेह हुआ, तो धारा 140 बीएनएस के तहत एफआईआर संख्या 228/2024 दर्ज करके मामले को आगे बढ़ाया गया।

सभी को साथ लाएंगे: कर्नाटक में सत्ता संघर्ष के बीच बोले मल्लिकार्जुन खड़गे, हाईकमान लेगा अंतिम फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने चल रहे सत्ता संघर्ष को सुलझाने के लिए वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक बुलाई है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सामूहिक परामर्श के बिना कोई भी निर्णय नहीं लिया जाएगा। खड़गे ने कहा कि अंतिम निर्णय लेने से पहले राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार चर्चा में शामिल होंगे। खड़गे ने कहा कि मैं सभी को चर्चा के लिए बुला रहा हूँ और राहुल गांधी भी उस बैठक में मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी वहाँ मौजूद रहेंगे। सभी से चर्चा के बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका स्पष्ट करते हुए खड़गे ने कहा कि हाईकमानश का मतलब टीम है – हाईकमान की टीम एक साथ बैठकर अंतिम निर्णय लेगी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को अपने और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बीच सत्ता संघर्ष की नई अटकलों के बीच सोशल मीडिया पर एक रहस्यमय संदेश पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने दोहराया कि अपनी बात पर कायम रहना दुनिया की सबसे बड़ी ताकत है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष को उजागर किया। उन्होंने स्थिति को एक खुला संघर्ष बताया, जिसमें मंत्री मुख्यमंत्री पद के लिए होड़ कर रहे हैं और कर्नाटक सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रशासन ध्वस्त हो गया है और मंत्री अपने कर्तव्यों के बजाय आगामी नेतृत्व परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई आंतरिक कलह नहीं है, महोदय। सब कुछ पूरी तरह से खुलेआम हो गया है. .. हर कोई खुलकर लड़ रहा है. .. किसी भी मंत्री को प्रशासन में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे सब इस बात में व्यस्त हैं कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा और आगे क्या होगा. .. राहुल गांधी और खड़गे खुद कह रहे हैं कि आलाकमान फैसला करेगा, जबकि वे इसका हिस्सा हैं... प्रशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों का बाज़ार गर्म है, जहाँ मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सत्ता संघर्ष के केंद्र में हैं। कांग्रेस सरकार ने हाल ही में अपने कार्यकाल का आधा पड़ाव पार कर लिया है, जिससे संभावित बदलाव की अफवाहों को बल मिला है। इससे पहले, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा था कि पार्टी से जुड़े सभी मुद्दों पर मीडिया में नहीं, बल्कि आंतरिक रूप से चर्चा की जाएगी।

प्रयागराज में एनटीपीसी गेट पर प्रदर्शन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के मेजा एनटीपीसी के खिलाफ किसानों, नौजवानों और बेरोजगारों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस विरोध का नेतृत्व कांग्रेस नेताओं ने किया। एनटीपीसी गेट पर प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन पहले से सतर्क था। सुबह से ही पूरे क्षेत्र को छावनी में बदल दिया गया और पीएसी ने एनटीपीसी परिसर को घेर लिया। एनटीपीसी की ओर जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग की जा रही है। किसी को भी आसपास जमा होने की अनुमति नहीं है। कांग्रेस नेता नमस्ते यादव को एनटीपीसी के मुख्य गेट पर प्रदर्शन करते समय पुलिस ने हिरासत में ले लिया। भीड़ को भी आगे बढ़ने नहीं दिया गया। इसके बावजूद नमस्ते यादव गांव के रास्ते बाइक से प्रदर्शन स्थल तक पहुंच गए और जमीन पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। तभी पुलिस ने उन्हें उठाकर बस में बैठा लिया और वहां से ले गई। कांग्रेस नेता के साथ कई अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया है। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधि‍कारी मौके पर मौजूद हैं। जो भी व्यक्ति विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंच रहा है, पुलिस उसे थाने ले जा रही है। वज्र वाहन के जरिए लोगों को हटाने की तैयारी भी की जा रही है। दरअसल, प्रशासन ने इस विरोध और धरने की अनुमति नहीं दी है। ऐसे में इसे अवैध मानते हुए कार्रवाई की जा रही है। प्रयागराज के मेजा कोहड़ार स्थित एनटीपीसी के मुख्य गेट पर कांग्रेस नेता नमस्ते यादव और जितेंद्र के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन का ऐलान किया गया था। यह प्रदर्शन उचित मुआवजा न मिलने और एनटीपीसी में स्थानीय युवाओं को नौकरी न देने के विरोध में किया जा रहा है। कांग्रेस नेता नमस्ते यादव का कहना है कि एनटीपीसी ने गरीबों, दलितों और नौजवानों सहित अन्य वर्गों के साथ न्याय नहीं किया है। उनकी मुख्य मांगें मुआवजा और रोजगार की हैं।

प्रयागराज में विदेश भेजने के नाम पर ठगी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में विदेश भेजने के नाम पर बड़ी ठगी का मामला सामने आया है । आरोप है कि इजराइल में नौकरी दिलाने के नाम पर प्रयागराज के युवक ने 12 युवकों से 24 लाख रुपये लिए। लेकिन ना तो उन्हें विदेश ही भेजा गया ना ही उनके पैसे वापस हुए । कुछ दिन पहले आरोपी ने फूलपुर थाने में समझौते के तहत 1 हफ्ते में पैसे वापस करने का समय मांगा था लेकिन अब उसका फोन बंद आ रहा है। उतरावँ थाना क्षेत्र के आरा कला गाँव के रहने वाले सूरज कुमार कुछ साल पहले घर पर रहकर एक फोटो स्टूडियो चलाते थे । फूलपुर थाना क्षेत्र के एत्मादपुर उर्फ मिश्रापुर का रहने वाले मोहम्मद अली से विदेश भेजने वाले एजेंट के रूप में उनकी पहचान हुई थी । करीब 3 साल पहले मो. अली ने सूरज को मलेशिया भेजा था । वहाँ पर सूरज करीब 22 महीने रह कर वापस इंडिया आया था । करीब 6 महीने पहले पीड़ित युवक को मो. अली ने इजराइल में हेल्पर की नौकरी लगवाने का वायदा किया । वीजा और अन्य कागजात बनवाने के लिए पीड़ित से 2 लाख रुपये लिए । आरोपी ने उनसे और लोगों को काम पर भेजने की बात कही और 12 लोगों से करीब 24 लाख रुपये ले लिए । पीड़ितों ने इन रुपयों में से कुछ रुपए कैश में दिए और बाकी आरोपी के बताए गए फत कोड पर डाले । इसके बाद बाद आरोपी ने बाकायदा उनके मोबाइल पर कंपनी के नाम से ऑफर लेटर भेजा और फिर जाने के लिए टिकट और वीजा भी भेजा। पीड़ित युवकों ने आरोप लगाया कि आरोपी मो. अली ने जो वीजा और फ्लाइट टिकट भेजे थे वो जाली थे । जब पीड़ित फ्लाइट पकड़ने के लिए दिल्ली पहुंचे तो पता चला उनका वीजा जाली है द्य इसके बाद कब उन्होंने आरोपी से फोन पर बात की तो उसने कहा कि आपका टिकट कैंसिल हो गया है । आपका टिकट अब मुंबई से है और वही से फ्लाइट पकड़नी है । लेकिन जब पीड़ित वहाँ पहुंचे तो वहाँ पर उन्हें इस फर्जीवाड़े की जानकारी हुई । जिसके बाद आरोपी युवक से जब बात करने की कोशिश की तो उसका मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। मुंबई से वापस आने के बाद पीड़ित युवक आरोपी के घर पहुंचे और अपने पैसे मांगने लगे । जिसके बाद आरोपी को थाने बुलाया गया और फिर समझौता हुआ कि आरोपी युवक पीड़ितों का पैसा एक हफ्ते में लौटा देगा । लेकिन समय बीत जाने के बाद भी आरोपी युवक ने पैसे नहीं लौटाए । और अब वह घर से कहीं चला गया है । उसका फोन भी स्विच ऑफ हो गया है । जिससे पीड़ितों ने परेशान होकर फूलपुर थाने में तहरीर दी है।

पीड़ित युवक

प्रयागराज में पश्चिमी हवा से ठंड बढ़ी

प्रयागराज। प्रयागराज में नवम्बर के आखिरी सप्ताह में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। पश्चिमी हवा से ठंड बढ़ गई है। शाम होते ही तापमान तेजी से गिरने लगता है। पिछले 4 दिनों से 5–6 डिग्री तापमान की गिरावट दर्ज की गई है। आज का तापमान मिनिमम 9.9 डिग्री दर्ज किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं०: पी आर वाइ जे-सिग-028-2025-26 — दिनांक: 26.11.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.: 028	अनुमानित मूल्य (रुपये में): ₹ 5067389.55
कार्य का विवरण: प्रयागराज मण्डल के चुनार स्टेशन पर एलसी-122 (आर. ओ.बी) एवं गैपुरा स्टेशन पर एलसी-12 (आर. ओ.बी) कार्य को बन्द करने के सम्बन्ध में संकेत एवं दूरसंचार कार्य।	
बिड सिक्यूरिटी: ₹ 101400/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 0.00
कार्य समापन की अवधि: बारह माह	निविदा खुलने की तिथि : 22.12.2025

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। **धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप:** निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी। **निविदा खुलने का समय, तिथि एवं स्थान:** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **निविदा की वैधता:** निविदा खुलने के 60 दिन तक। **निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार:** रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। **2282/25(A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रयागराज में बारात निकालने वाली दुल्हन बोली-मेरा कोई भाई नहीं

रिश्तेदार ताने मारते थे, बग्घी पर थिरकते हुए दूल्हे के घर पहुंची

प्रयागराज (संवाददाता)। हम पांच बहनें हैं। कोई भाई नहीं है। मां को रिश्तेदार–पड़ोसी बेटा न होने का ताना देते थे। पिता ने दो छोटी बेटियों को ही बेटा मान लिया। परवरिश भी बेटे की तरह की। इसलिए बाकी बहनें हमें भाई मानकर राखी बांधती हैं। बहनों के बच्चे मौसी के बजाय मामा कहते हैं।

यह कहना है प्रयागराज की तनु जायसवाल का। तनु की 24 नवंबर को शादी हुई है। इसमें वह दुल्हन तो बनीं, लेकिन बारात निकाली। दूल्हे की तरह बग्घी पर सवार होकर बारात लेकर अपने होने वाले दूल्हे के घर पहुंचीं।

तनु कहती हैं, पापा ने ठान रखा था कि वह अपनी बेटी को ही बेटा मानकर उसकी बारात निकालेंगे। अपने उसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने मेरी बारात निकाली। इसके लिए दूल्हा पक्ष को भी राजी कर लिया। पिता के इस प्यार–दुलार के लिए शब्द कम पड़ जाएंगे।

बारात 24 नवंबर को कीडगंज से गऊघाट में रहने वाले दूल्हे रजत जायसवाल के घर पहुंची थी। तनु अपने घर से पिता का हाथ पकड़ कर ढोल नगाड़े की धुन पर नाचती हुई बारात लेकर कार में सवार होकर निकलीं।

दूल्हे का घर जब करीब आया तो तनु बग्घी पर सवार हो गईं। परिवार के सदस्य और रिश्तेदार भी पैदल ही झूमते–गाते बारात लेकर आगे बढ़े। पूरे 2 किमी तक बाराती थिरकते हुए आगे बढ़ते रहे। डीजे लाइट के साथ तनु बग्घी पर ही खुशी में नाचती रहीं। दूल्हे की मां ने बहू तनु का आरती उतार कर स्वागत किया। इसके बाद दूल्हा रजत ने दुल्हन तनु का हाथ थामा और स्टेज तक ले गए। धूम–धाम से आगे की सभी रस्में पूरी हुईं।

कीडगंज के रहने वाले राजेश जायसवाल एक फर्म में मुंशी का काम करते हैं। उनकी पांच बेटियां हैं। कोई बेटा नहीं है। तीन बड़ी बेटियां स्वाति, शालिनी और ट्विंकल के बाद दो और बेटियां तनु और मनु ने जन्म लिया। इन दोनों को उन्होंने बेटों की तरह पाला।

वह कहते हैं– मेरे बेटे नहीं थे तो मेरी दोनों बेटियां छोटी थीं। उसी समय फैसला लिया था की मैं दोनों छोटी बेटियों को बेटे की तरह बड़ा करूंगा। लड़के क्रिकेट खेलते थे, लड़कियों को भी वैसा ही सबकुछ दिया। पूरी आजादी दी, तनु को क्रिकेट का शौक था। उसके शौक को पूरा करने मैंने पूरी मदद की। तनु ने नेशनल तक खेला है।

राजेश जायसवाल ने कहा, तनु को देखकर कभी नहीं लगा कि मुझे बेटा नहीं है। जब बात शादी की आई तो ऐसा रिश्ता ढूंढा, जिसमें दूल्हा पक्ष हमारी भावनाओं का सम्मान करे। बात तय हो गई। उसी के बाद बेटी को दुल्हन तो बनाया, लेकिन बारात दूल्हे की तर्ज पर निकाली। बेटों की तरह उसे लेकर झूमते–नाचते पूरे परिवार के साथ लड़के के घर पहुंच गए। बेटे न होने पर बेटी की बारात करने का सपना पूरा किया।

तनु की मां प्रमिला जायसवाल अपनी बेटी की शादी बेटे की तरह होने से काफी खुश हैं। उन्होंने कहा, पहले तो लोग ताना देते थे कि 5 बेटियां हैं। बेटा नहीं है। फिर कहते थे कि इन 5 बेटियों की शादी कैसी होगी।

मगर तनु के पापा का हौसला एकदम बुलंद था। उन्होंने कभी मुझे ये नहीं जताया की मेरी बेटियां अकेले हैं। उन्होंने हमेशा कहा की बेटे–बेटी एक समान हैं। मैंने कभी अपनी बेटियों को सिर्फ बेटी नहीं समझा।

तनु की मां बोलीं, जब हमने बेटी की बारात निकालने का फैसला किया तो समाज के लोगों ने पहले इसका विरोध किया। बोले– हम लोग यह काम जबरदस्ती कर रहे हैं। दिखावा कर रहे हैं। मगर मेरे मन में था कि मेरे परिवार के दूसरे सदस्यों को बेटे हैं। उनकी शादी धूमधाम से हो सकती है तो मेरी बेटी की क्यों नहीं। मुझे लोग ताने भी सुनाते थे कि बेटा नहीं हैं।

तभी से हम दोनों ने फैसला लिया कि हम दोनों बेटियों की बारात करेंगे और हम उन लोगों को दिखाएंगे कि बेटी नहीं ये बेटे हैं। इसीलिए हमने तनु के ससुराल वालों से बात की। बताया कि हम लोग बारात निकालेंगे। उन्होंने हमारी भावनाओं को समझते हुए हमारी इच्छा का स्वागत किया। हम अब छोटी बेटी मनु की भी बारात धूमधाम से निकालेंगे।

तनु की बड़ी बहन शालिनी जायसवाल ने कहा, हम अपनी दोनों छोटी बहनों तनु और मनु को हमेशा भाई की तरह माना है। उनको भाई की ही तरह प्यार दिया। इसीलिए हर रक्षा बंधन पर हम लोग दोनों छोटी बहनों को राखी बांधते रहे हैं। भाई दूज पर टीका भी करते हैं। दोनों छोटी बहनों को देखकर कभी भी भाई की कमी महसूस नहीं हुई।

शालिनी कहती हैं– जब हमने यह तय किया कि हम लोग तनु की शादी में बारात निकालेंगे तो तभी से बहुत खुशी थी। शादी वाले दिन सभी में इस बात का उत्साह था कि बेटी वाले होकर भी बाराती बने हैं। मेरी एक बहन जो भाई था, मेरा वह मेरे घर से विदा हो गया, मेरा भाई विदा हुआ है।

शालिनी जायसवाल ने बताया, हमारे बच्चे तनु को मौसी नहीं कहते। वह उसे मामा कहकर बुलाते हैं। मजेदार बात यह कि उनके भांजे ने बताया कि मेरे मामा की बारात निकली थी, हम लोग नाचे थे। मेरे मामा की विदाई हो गई। दूल्हे रजत के भांजे बारात के समय रो रहे थे कि मामा अब चले जाएंगे। यह किस्सा भी घर में एक यादें छोड़ गया।

तनु जायसवाल की सास शर्मिला जायसवाल अपनी बहू की बारात से काफी खुश दिखीं। बोलीं– जब रिश्ता कर रहे थे, तब यह पता नही था कि ऐसा कुछ होने वाला है। रिश्ता तय होने के बाद तनु के परिवार ने यह प्रस्ताव रखा कि हम बारात लेकर आना चाहते हैं। मैंने कहा कि अगर आपकी ऐसी इच्छा है तो आइए स्वागत है। हमें कोई दिक्कत नहीं।

बहुत अच्छा लगा मुझे, पहली बार ऐसा हुआ। यही सपना है कि यह मेरी बहू, बेटा और बेटी सब बनकर रहे। साथ दे। हम सबका घर देखे, यही इच्छा है।

प्रयागराज में वकीलों ने 5 घंटे से जाम लगाया

पुलिस-वकीलों के बीच हुई थी झड़प, धरने पर बैठे, अफसर बोले जांच करा रहे

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के धूमनगंज पुलिस थाने में पुलिस और वकील के बीच थ्प्त् दर्ज कराने को लेकर विवाद के बाद मामला गंभीर हो गया। जिसके बाद वकील अपने साथियों के साथ धरने पर बैठ गए हैं। धरने पर बैठने के बाद दोनों तरफ से अवागमन प्रभावित हो जाने से 5 ाउ लंबा जाम लग गया है। फिलहाल मौके पर पुलिस बल पहुंची गयी है,नाराज वकीलों को समझाने में जुटी है।

पूरा मामला धूमनगंज का जहां अधिवक्ता देवधर त्रिपाठी के ख्ब्ब् के अकाउंट से बैंक मैनेजर अमित कुमार ने 16 लाख रुपए किसी अन्य व्यक्ति को ट्रेजरी के जरिए ट्रांसफर कर दिया था। जिसके खिलाफ अधिवक्ता देवधर त्रिपाठी थ्प्त् दर्ज कराने धूमनगंज थाना पहुंचे थे। आरोप है कि इंस्पेक्टर ने उनके साथ बदसुलूकी की, जिससे नाराज अधिवक्ता अपने साथियों सहित जीटी रोड (कानपुर प्रयागराज) मार्ग पर धरने पर बैठ गए है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच करा रहे हैं। बदसलूकी जैसी कोई बात नहीं। मामला बैंक से जुड़ा है। पुलिस अपने स्तर से कार्रवाई कर रही है।

फिलहाल मुख्य मार्ग होने से लंबा जाम लग गया है दोनों लेन में कई किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया है। पिछले आधे घंटे से लगे जाम के बाद स्थिति गंम्भीर हो गई है। मौके पर जाम में फंसे लोग परेशान हैं। मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच चुकी है और मामले को शांत कराने की कोशिश की जा रही है।

रील बनाने पर माफिया अतीक के छोटे बेटे पर एफआईआर

गाना बजाया था- तूफान और हम जब भी आते हैं... फाड़ के जाते हैं

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद (20) पर पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। भड़काऊ REEL को लेकर बुधवार देर रात धूमनगंज थाने में केस दर्ज किया गया। दरअसल, एक शादी समारोह में शामिल हुए अबान का एक भड़काऊ वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया। इसमें एक धमकी भरा डायलॉग भी जोड़ा गया।

रील के बैकग्राउंड में एक गाना लगाया गया। गाने के बोल हैं– श्सामने वाले को हमसे क्या मिलेगा, ये उसकी औकात बताएगी... हम दिल भी रखते हैं और असलहा भी...हम कुत्तों की तरह पीछे से वार नहीं करते, सामने से फाड़ देते हैं... तूफान और हम जब भी आते हैं, मां कसम... फाड़ के जाते हैं।श

धूमनगंज थाने के सब इंस्पेक्टर आदित्य सिंह ने एप्लिकेशन दी। जिसमें लिखा– इस तरह का वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर समाज में दहशत फैलाने की कोशिश की गई। एसीपी धूमनगंज अजयेंद्र यादव ने बताया– ठछै की धारा 353 के तहत अबान और उसके साथी हमजा समेत कई अज्ञात पर थ्प्त् दर्ज की गई है।

ये धारा सार्वजनिक उपद्रव फैलाने वाले बयान से संबंधित है। यह धारा उन लोगों के लिए है, जो जानबूझकर झूठी अफवाहें, बयान या भड़काऊ सामग्री फैलाते हैं, जिससे सार्वजनिक शांति या धार्मिक सौहार्द बिगाड़ सकता है।

वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तरह–तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई यूजर्स ने लिखा कि अतीक–अशरफ के मारे जाने के बाद भी अतीक का सबसे छोटा बेटा अबान दहशत फैलाने से पीछे नहीं है। एक यूजर ने लिखा– रस्सी जल गई, लेकिन ऐंठन नहीं गई...। एक अन्य ने लिखा– योगी जी को पता चला तो ऐसा फाड़ेंगे कि टुकड़े भी नहीं मिलेंगे।

अबान अतीक अहमद का 5वां और सबसे छोटा बेटा है। उससे बड़ा चौथे नंबर का बेटा अहजम है। दो भाई उमर और अली जेल में हैं। तीसरे भाई असद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो चुकी है। उमेश पाल हत्याकांड के समय अबान और अहजम दोनों नाबालिग थे।

उमेश पाल हत्याकांड के बाद अबान और अहजम को चकिया में लावारिस हालत में घूमते मिलने का दावा करते हुए पुलिस ने राजरूपपुर बालगृह में भेजा था। दोनों वहां 221 दिन तक रहे। 4 अक्टूबर, 2023 को अहजम बालिग हो गया। 9 अक्टूबर, 2023 को बाल कल्याण समिति के आदेश पर दोनों भाइयों को उनकी बुआ परवीन कुरैशी के हवाले किया गया।

10 दिसंबर से परिषदीय विद्यालयों की परीक्षा

प्रयागराज (संवाददाता)। परिषदीय विद्यालयों की अर्धवार्षिक परीक्षाओं की तिथि विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) की वजह से बदल गई है। यह परीक्षाएं अब 10 दिसंबर से शुरू होकर 15 दिसंबर तक संचालित होंगी। पहले परिषदीय विद्यालयों में अर्द्ध वार्षिक परीक्षाएं 28 नवंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित होने वाली थी। एसआईआर प्रक्रिया में शिक्षकों की ड्यूटी के चलते परीक्षा टाल दी गई है। यह परीक्षा अब 10 दिसंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित होंगी। बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल के आदेश पर परीक्षा कार्यक्रम आज बदलाव हुआ है। प्रयागराज जिले में बेसिक शिक्षा के कुल 2832 विद्यालय हैं। इन विद्यालयों में लगभग साढ़े तीन लाख छात्र–छात्राएं अध्यनरत हैं। जबकि प्रदेश में करीब 1.59 लाख छात्र–छात्राएं अध्यनरत हैं। परिषदीय स्कूलों में साढ़े पांच लाख सहायक अध्यापक और प्रधानाध्यापक कार्यरत हैं। उधार प्रयागराज के जिला बेसिक शिक्षाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों के अर्द्ध वार्षिक परीक्षा की तैयारियां पूरी हो गयी थी। प्रश्न पत्र छप गये थे जो बीआरसी भेजे जा रहे हैं। परीक्षा को सकुशल कराने का आदेश सभी संबंधित खंड शिक्षाधिकारियों को दे दिया था।

आईएएस अफसर संतोष वर्मा पर कार्रवाई की मांग

प्रयागराज (संवाददाता)। मध्य प्रदेश के आईएएस अफसर संतोष कुमार वर्मा के ब्राह्मण बेटियों पर विवादित बयान पर लेकर ब्राह्मण समाज में नाराजगी है। देश भर में आईएएस अफसर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही है। प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर पीठाधीश्वर शांडिल्य महराज ने भी इस पर तीखी प्रक्रिया दी है। उन्होंने कहा, ऐसे घृणित मानसिकता वाले अफसर यदि जिले की कमान संभालेंगे तो उस जिले की क्या स्थिति होगी यह अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा, संतोष वर्मा ने जिस तरह से ब्राह्मण बेटियों को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की है इससे ब्राह्मण समाज नाराज है। मध्य प्रदेश सरकार व केंद्र सरकार से मांग की है कि अफसर के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

संगम में बोलेरो से 30 हजार नकद, कपड़े चोरी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में संगम स्नान के लिए पहुंचे सिंचाई विभाग फतेहपुर के पांच कर्मचारियों के साथ चोरी की वारदात हो गई। कर्मचारी बोलेरो गाड़ी में कपड़े, मोबाइल फोन, 30 हजार नकद और सरकारी दस्तावेज छोड़कर स्नान करने उतर गए थे। वापस लौटे तो पूरा सामान गायब मिला। चोर बोलेरो के पीछे वाले शीशे को खोलकर सारा सामान ले गए। पीड़ितों की तहरीर पर दारागंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और टीमों को तलाश में लगाया गया है। फतेहपुर में तैनात नलकूप विभाग के कर्मचारी नवल किशोर, शिव सेठी, यदुनंदन प्रसाद, विनोद, किशन लाल और अखिलेश मंगलवार को ऑफिशियल काम से सलोरी स्थित सिंचाई विभाग के कार्यालय आए थे। वहां कुछ सरकारी कागजातों पर हस्ताक्षर कराने के बाद सभी दोपहर करीब 12 बजे बोलेरो से संगम पहुंचे। यहां उन्होंने गाड़ी में कपड़े, करीब 30 हजार रुपये, छह मोबाइल फोन और अन्य सामान छोड़ दिया और स्नान करने चले गए। स्नान के बाद लौटने पर उन्हें गाड़ी का पीछे वाला शीशा खुला मिला और सारा सामान गायब था।

मुजफ्फरनगर की रैली, आजाद समाज पार्टी की ताकत, बदलते समीकरण और उभरते नेतृत्व का राजनीतिक विश्लेषण

नादिर राणा लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर की धरती ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। आजाद समाज पार्टी की आयोजित रैली न केवल भीड़ के पैमाने पर सफल रही, बल्कि राजनीतिक संदेश, ताकत के प्रदर्शन और भविष्य के समीकरणों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण कही जा सकती है। इस रैली ने जहां नेतृत्व के स्तर पर चंद्रशेखर को और स्पष्ट रूप से स्थापित किया, वहीं दलित–मुस्लिम सामाजिक आधार के संभावित मजबूत गठजोड़ की भी झलक दी।

रैली में जुटी भारी भीड़ ने यह संकेत दिया कि चंद्रशेखर अब केवल एक सामाजिक न्याय के प्रतीक नहीं, बल्कि एक उभरते राजनीतिक नेतृत्व के रूप में देखे जा रहे हैं।

उनका यह कद किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं है,दलितों के साथ मुसलमानों के अलावा गुजरो, जाट एवं सर्वसमाज की संख्या की मौजूदगी ने नेतृत्व की स्वीकृति और विस्तार की संभावनाओं को मजबूत किया है।

राजनीतिक रूप से यह बेहद अहम है, क्योंकि उत्तर प्रदेश की सामाजिक संरचना में ऐसे व्यापक गठजोड़ सत्ता की राजनीति को बदलने की क्षमता रखते हैं।

रैली में दलित और मुस्लिम समुदाय बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

यह संकेत उस पुराने सामाजिक समीकरण की ओर जाता है जिसने कभी उत्तर प्रदेश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाई थी।

हाल के वर्षों में यह गठजोड़ बिखर चुका था, लेकिन मुजफ्फरनगर की रैली ने यह संकेत दिया कि इसकी पुनर्स्थापना की कोशिशें फिर से तेज हैं।

यह गठजोड़ यदि मजबूत होता है तो प्रदेश की चुनावी दिशा पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

रैली की भव्यता और भीड़ की व्यापक भागीदारी ने कई लोगों को मायावती के सक्रिय राजनीतिक दौर की याद दिला दी।

हालाँकि मायावती का संगठनात्मक ढांचा और उनका राजनीतिक प्रभाव एक अलग युग का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन चंद्रशेखर की रैली ने यह अवश्य दिखाया है कि दलित राजनीति में एक नया चेहरा तेजी से उभर रहा है।

यह तुलना सिर्फ गुजरे हुए दौर से नहीं, बल्कि वर्तमान सत्ता–समीकरणों को समझने का संकेत भी है।

रैली ने "हलचल मचा देने" वाली स्थिति इसलिए पैदा की है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति चार–पांच बड़े सामाजिक खेमों पर आधारित है, और इनमें किसी भी नए समीकरण की एंट्री पुराने गठबंधनों को प्रभावित करती है।

राजनीतिक दल स्वाभाविक रूप से इस भीड़ और उत्साह को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संभावित चुनौती के रूप में देखेंगे।

लोगों में भारी उत्साह और अपने नेता को सुनने का उमड़ता जनसैलाब यह संकेत देता है कि यह रैली सिर्फ एक 'कार्यक्रम' नहीं थी, बल्कि बड़े राजनीतिक अर्थों वाली घटना थी।

इसके दूरगामी परिणाम कई स्तरों पर दिख सकते हैं।

यदि यह जनसमर्थन संगठनात्मक ढांचे और ठोस राजनीतिक रणनीति में बदला गया, तो निश्चय ही आजाद समाज पार्टी के लिए यह रैली एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है।

मुजफ्फरनगर की यह रैली किसी बड़े राजनीतिक बदलाव का आगाज है या सिर्फ एक पल की ऊर्जा, यह आने वाला समय तय करेगा।

लेकिन यह निर्विवाद है कि इसने राजनीतिक चर्चा को नया विषय दिया है, और चंद्रशेखर को राष्ट्रीय पटल पर एक अधिक दृश्यमान और गंभीर नेता के रूप में स्थापित किया है।

दलित–मुस्लिम समीकरण की नई कोशिशें, भीड़ का पैमाना, और लोगों में उत्साह, ये सभी संकेत बताते हैं कि उत्तर प्रदेश की राजनीति एक नई दिशा में करवट ले सकती है।

रैली ने उम्मीद के साथ साथ चुनौती और निरंतरता दोनों को जन्म दिया है।

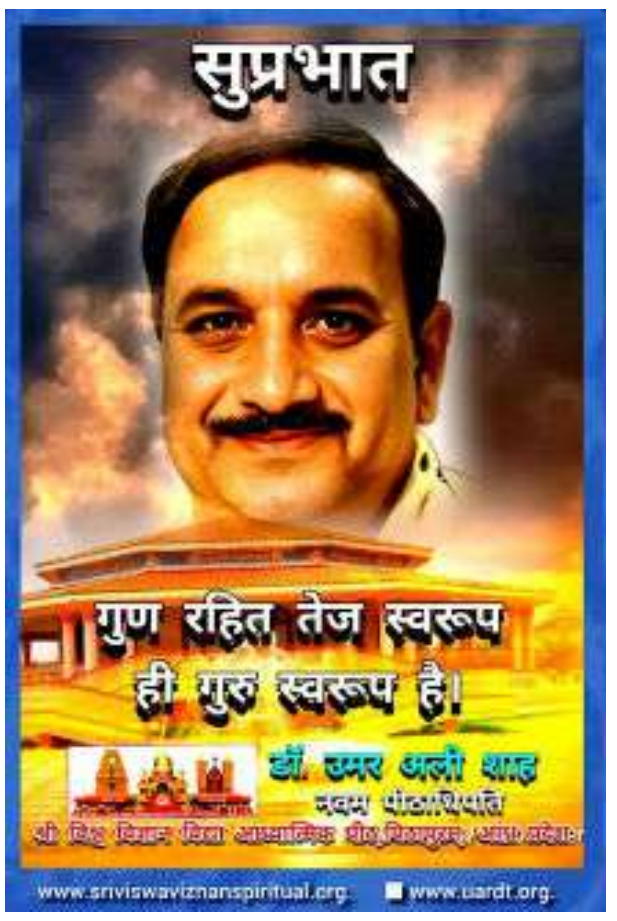

फूलों का संसार

पंखुड़ियाँ,गुण की सदा, बन करके पर्याय।
बना रही हैं फूल को, हरि की तरह सहाय।
हरि की तरह सहाय, काम कर उनके जैसा।
बन सुगन्ध अरु दवा, न लेते उसका पैसा।
सुन लो कहें प्रदीप, बताती हैं सब परियाँ।
फूलो की पहचान, बनाती हैं पंखुड़ियाँ।।

तेरी–मेरी से परे, फूलों का संसार।
मस्त कलन्दर की तरह, करता है व्यवहार।
करता है व्यवहार, नहीं यह चाहत रखता।
सबको दे मुस्कान, हमेशा हँसता रहता।
सुन लो कहें प्रदीप, विदेशी हो या देशी।
सब करते हैं त्याग, न करते तेरी–मेरी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रशांत पाण्डेय ने बढ़ाया परिवार व क्षेत्र का मान, हर्ष

प्रतापगढ़। होनहार वीरवान के होत चीकने पातष्की कहावत को चरितार्थ करने वाले प्रतापगढ़ के सपूत विकास खंड लक्ष्मणपुर व लीलापुर अंचल के दादुपुर पड़ान निवासी प्रशांत पाण्डेय पुत्र

भास्कर प्रसाद पाण्डेय सुपौत्र स्व0 भगवत प्रसाद पाण्डेय का भारतीय रेल के (मध्य रेलवे) में डिवीजनल सुपरिटेंडेंट मैटेरियल(डीएमएस)के पद पर चयन हुआ है। प्रशांत के इस सफलता से उनके परिवार व क्षेत्र में जश्न का माहौल देखने को मिला। गांव में बधाई देने पहुँचे ग्रामीणों एवं रिश्तेदार व शुभचिंतकों को प्रशांत के सेवानिवृत्त शिक्षक दादा दुर्गा प्रसाद पाण्डेय व बड़े पिता शिक्षक गोविंद प्रसाद पाण्डेय व प्रतापगढ़ शहर में रह रहे बड़े पिता सेवानिवृत्त तहसीलदार शिव प्रसाद पाण्डेय व प्रयागराज में रह रहे प्रशांत के चाचा व्यवसायी दिवाकर प्रसाद पाण्डेय ने मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई।गौरतलब हो कि प्रशान्त बचपन से ही कुशाग्र और शालीन व्यक्तित्व के धनी हैं। बता दें कि प्रशांत ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता–पिता व दादा स्व0 भगवत प्रसाद पाण्डेय(शिक्षक) एवं अपने गुरुजनों को दिया है।प्रशांत ने अपने दादा को याद कर बड़े ही भावुक होकर बताया कि आज हमारे दादा जी हम सबके बीच होते तो, वो बहुत ही खुश होते और मुझे अपार प्रसन्नता होती । बताते चलें कि प्रशांत के ननिहाल चिलबिला में उनके मामा राजीव तिवारी, संजय तिवारी एवं अमित कुमार मिश्र ने भी बहुत ही प्रसन्नता व्यक्त की।

भारतीय संविधान सभी की प्रगति हेतु समर्पित–सुशील कुमार शुक्ल

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में संविधान दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ। संविधान की विस्तृत व्याख्या, संविधान में नागरिकों को प्रदत्त मूल अधिकारों एवं अन्य सम्बन्धित विषयों पर उपस्थित विद्वतजनों द्वारा विचार प्रस्तुत किये गये। संविधान दिवस संगोष्ठी का आयोजन परिसर के मुख्य सभागार में निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि श्री सुशील कुमार शुक्ल, अवकाश प्राप्त लोक अभियोजक, झारखण्ड सरकार एवं अधिवक्ता मान. उच्च न्यायालय, प्रयागराज ने इस अवसर पर भारतीय संविधान को विश्व का सबसे विस्तृत संविधान बनाते हुए संविधान की विशेषताओं से समस्त उपस्थित जनों को परिचित कराया। भारत देश के किसी भी जनसामान्य व्यक्ति द्वारा सर्वोच्च पद प्राप्त करने की स्वतंत्रता को उन्होंने भारत के संविधान की सबसे बड़ी विशेषता बताया। भारत में न्यायपालिका को संविधान द्वारा सर्वोच्च संवैधानिक स्थान प्राप्त होने के औचित्य का वर्णन करते हुए उन्होंने संविधान की जीवंतता का परिचायक बताया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने संविधान को देश के प्रत्येक नागरिक का संरक्षक बताते हुए संविधान द्वारा प्रदत्त विभिन्न मौलिक अधिकारों के विषय में जागरूक किया। वर्तमान समय में संविधान के समक्ष आ रही चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने इन चुनौतियों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में भारत के मूल संविधान को रामराज्य की भावना से प्रेरित बताया, जहाँ सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की अवधारणा मूर्त रूप लेती है। राष्ट्रधर्म को सभी धर्मों से ऊपर बताते हुए उन्होंने संविधान की परिधि में रहकर निरन्तर राष्ट्र निर्माण हेतु प्रयत्नशील रहने का आह्वान किया। उन्होंने समस्त उपस्थित जनों, छात्र–छात्राओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संविधान के प्रति निष्ठा रखने एवं संविधान का अनुपालन करने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के सहायकाचार्य डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी एवं पुस्तकालय प्रभारी डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर परिसर के सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे, श्री अंकित मिश्र (सहायकाचार्य), श्री संजय कुमार मिश्र (अनुभाग अधिकारी), श्री रामसुरेश तिवारी, श्री राजेश कान्त तिवारी (संगणक विशेषज्ञ एवं परिसर मीडिया प्रभारी), सुश्री ज्योति कुमारी, संदीप सिंह, राम सिंह समेत समस्त अन्य परिसरीय सदस्य उपस्थित रहे।

कटरा गुलाब सिंह कानूपुर जेठवारा मार्ग पर लोक निर्माण विभाग प्रतापगढ़ और सूचना आयोग उत्तर प्रदेश द्वारा पीआईएल दाखिल करने के लिए बाध्य किया जा रहा है- आर0टी0आई0 एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र एडवोकेट

प्रतापगढ़। क्षेत्र की सम्मानित जनता एवं सम्मानित पत्रकार बन्धुओं को सम्बोधित करते हुए आर0टी0आई0 एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र एडवोकेट वार्ड नं01 पूरे तोरई नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह प्रतापगढ़ ने बताया कि सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत उक्त मार्ग पर सात साल में कराये कार्यों का सूचना गुणवत्ता मानक रिपोर्ट के साथ मांगा गया था। जनहित के कार्य मानक के अनुसार कराये जाने के प्रयास में सूचना अधिकार के नियमों की अनदेखी कर रोड का निर्माण किया गया जो बनने के साथ साथ दूसरे दिन उखड़ने का साक्ष्य माननीय आयोग को दिया गया और अभी आयोग द्वारा उक्त मार्ग का फोटोग्राफ मगाये जाने पर खराब रोड की बीस – बाईस जगहों की 35 फोटोग्राफ जीपीएस लोकेशन के साथ भेजा गया लोक निर्माण विभाग द्वारा उक्त लोकेशन पर रोड रिपेयर भी की गई। गलत एवं भ्रामक सूचना देने और अधिनियम की धारा 20 के उलंघन और कार्य की स्थलीय जांच की बात कही गई। इसके बावजूद दिनांक 18.11.2025 के निस्तारण में आयोग द्वारा यह कहना कि सूचना उपलब्ध करा दी गई है। कहाँ तक सही है, जबकि सरकार द्वारा दिये गये शासनादेश में जनहित कार्यो के प्रत्येक फण्ड नियम शर्तों प्रतिबन्धों के अधीन होते हैं। ऐसी दशा में सरकार की दक्षता को चैलेंज करना कहाँ तक सही है। सरकारी सिस्टम को सरकार द्वारा दिये नियमों का पालन न करने के कारण पीआईयल के लिये बाध्य किया जा रहा है जबकि सरकार की मंशा और विजन जनहित के कार्यों को पारदर्शी तरीके से कराने पर जोर देता है। ऐसी दशा में सिस्टम द्वारा की जा रही जनहित के कार्यों में नियमों की अनदेखी कर कार्य कराये जाने में सुधार लाकर पारदर्शी तरीके से कार्य कराये जाने पर जोर दिया जाना चाहिए। जिससे हमारे समाज का समुचित विकास हो और हमारा संकल्प विकसित भारत का विजन पूर्ण हो। परिवर्तन की सोच एवं निरूस्वार्थ भागीदारी से ही हमारे समाज का समुचित विकास होगा।

भविष्य में जल के लिए हो सकते हैं युद्ध : डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम, श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के 9वें पीठाधिपति

डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि पंच तत्वों में जल सबसे जरूरी तत्व है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पानी की बर्बादी न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आज जल संरक्षण नहीं किया गया तो भविष्य में पानी के लिए युद्ध होने की आशंका है।

गुरुवार के पूर्वाह्न वे स्थानीय 11वें एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसर में उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के सौजन्य से लगाए गए कूलिंग मिनरल वाटर प्लांट का उद्घाटन करने के उपरांत अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री मेरुगु राजा राव, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर श्री फणींद्र, सुपरिटेंडेंट शांति प्रिया, कोर्ट स्टाफ, प्लांटेशन कन्वीनर श्रीमती मुदुनुरी सूर्यवती और अन्य लोग उपस्थित थे। श्री मंटेना सुब्बाराजू की याद में, उनकी बेटी श्रीमती मुदुनुरी सूर्यवती ने मिनरल वाटर प्लांट को स्पॉन्सर किया, जबकि पीठाधिपति डॉ. उमर अलीशा ने जज श्रीहरि सूर्यवती को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। बाद में, उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट की देखरेख में श्माई प्लांट माई ब्रीथश् प्रोग्राम के तहत कोर्ट कंपाउंड में 36 पौधे लगाए गए। इस प्रोग्राम में पीठाधिपति डॉ. उमर अलीशा म्युनिसिपल कमिश्नर श्री पी. राजू, जज श्रीहरि, बार एसोसिएशन प्रेसिडेंट श्री एम. राजा राव, पीठम के कन्वीनर श्री पेरूरी सुरीबाबू, रेका प्रकाश, म्युनिसिपल फ्लोर लीडर श्री अल्लावरपु नागेश और दूसरे लोग शामिल हुए। पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सभी से 3 पौधे लगाने और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया।जज श्रीहरि ने डॉ. उमर अली शाह और उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के एग्जीक्यूटिव मेंबर्स को न्यास की ओर से पानी के प्लांट लगाने के साथ पौधे रोपने के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फलौदा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरकाजी का निरीक्षण

मुजफ्फरनगर,। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फलौदा तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरकाजी का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने दोनों स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाओं, स्वच्छता व्यवस्था, दवा भंडारण, टीकाकरण कार्यक्रम, ओपीडी की स्थिति, प्रसूति कक्ष, लैब संचालन तथा मशीनों की कार्यशीलता का विस्तृत मूल्यांकन किया।

फलौदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ. तेवतिया ने मरीजों को बेहतर और समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया तथा स्टाफ को अपने कार्य में संवेदनशीलता और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

इसके उपरांत उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरकाजी का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुमित चौधरी को आवश्यक दिशादृनिर्देश प्रदान किए।

डॉ. तेवतिया ने दवा वितरण, टीकाकरण, स्वच्छता, रजिस्टरों के संधारण, मशीनों की कार्यशीलता और मरीजों की सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएचसी पुरकाजी में उपस्थित स्टाफ से कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सतत सुधार लाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान सभी संबंधित अधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

सी.एम.पी. महाविद्यालय में मुंशी काली प्रसाद 'कुलभास्कर' जन्म–सप्ताह पर भव्य सांस्कृतिक उत्सव

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद (सी.एम.पी.) महाविद्यालय में समाजसेवी एवं शिक्षाविद मुंशी काली प्रसाद 'कुलभास्कर' के 154वे जन्म–सप्ताह के अवसर पर एक भव्य और बहुरंगी सांस्कृतिक कार्यक्रम भावांजलि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ

वंदेमातरम् की सामूहिक प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने पूरे सभागार में देशभक्ति और सांस्कृतिक ऊर्जा का वातावरण निर्मित कर दिया। कार्यक्रम में डॉक्टर आकांक्षा माल की पुस्तक का लोकार्पण मुख्यातिथि चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह तथा प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने किया कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री वीएस लाल थे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विविध नृत्य और संगीत प्रस्तुत कर दर्शकों की सराहना प्राप्त की। भारतीय शास्त्रीय एवं लोक–धुनों पर आधारित प्रस्तुतियाँ न केवल कलात्मक दृष्टि से समृद्ध थीं, बल्कि महाविद्यालय की सांस्कृतिक परंपरा का सुंदर प्रतिबिंब भी रहीं। संध्या का मुख्य आकर्षण था विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भावनात्मक नाट्य–प्रयोग 'पुण्य श्लोका अहिल्या बाई', जिसमें अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व, करुणा, न्यायप्रियता और प्रशासनिक दक्षता को प्रभावपूर्ण अभिनय के माध्यम से मंचित किया गया। कलाकारों ने अपने सजीव प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाटक का निर्देशन ज्ञान चंद्रवंशी द्वारा किया गया स्नातक ठ। प्रथम वर्ष प्राचीन नाट्य एवं रंगमंच का विषय के छात्रों छात्रा हूँ द्वारा किया गया था कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉक्टर अनुश्री पांडे ने किया सांस्कृतिक समिति की समन्वयक अर्चना खरे ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में प्राचार्य शिक्षकगण, अतिथि एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में मुंशी काली प्रसाद 'कुलभास्कर' के शिक्षा, समाज–सेवा और दानशीलता के योगदान को याद किया कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति और विद्यार्थियों की बड़ी भूमिका रही।

यूथ कांग्रेस का लखनऊ में एसआईआर पर जोरदार प्रदर्शन, बैरिकेड तोड़कर सड़क पर उतरे कार्यकर्ता, पुलिस से झड़प

लखनऊ, संवाददाता। राज्य की राजधानी में गुरुवार को उस समय तनाव फैल गया जब युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसआईआर मुद्दे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और अपने श्वोट चोर, गद्दी छोड़ोश अभियान को और तेज़ कर दिया। शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुआ यह प्रदर्शन उस समय और भड़क गया जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड्स पार करने और शहर के बीचों–बीच प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध करने का प्रयास किया। युवा कांग्रेस के सदस्यों के बड़े समूह विधानसभा की ओर कूच करने से पहले पार्टी कार्यालय के पास एकत्र हुए। ष्वोट चोर, गद्दी छोड़ोष् जैसे नारे लगाते हुए, प्रदर्शनकारियों ने सरकार से जवाबदेही की माँग की और एसआईआर की चिंताओं पर तत्काल कार्रवाई की माँग की। हालाँकि, स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब प्रदर्शनकारी पुलिस बैरिकेड तोड़कर उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्रों में पहुँच गए। सड़क जाम होने से यातायात बाधित हो गया, जिसके कारण कानून प्रवर्तन अधिकारियों को तुरंत हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने और आगे बढ़ने से रोकने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया।

सम्पादकीय.....

शहादत का स्मरण

भले ही श्रीलंकाई संकट के समाधान हेतु भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा जाना तत्कालीन सरकार का फैसला रहा हो, लेकिन वास्तव में भारतीय सैनिक राष्ट्र के हितों और सैन्य दायित्वों के लिये ही लड़े थे। इस फैसले का उद्देश्य श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा और उनके न्यायसंगत पुनर्वास के लिये पहल करना भी रहा है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय शांति सेना यानी आईपीकेएफ के पूर्व सैनिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से रोष व्याप्त रहा है कि आईपीकेएफ सैनिकों के बलिदान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब सरकार व सेना ने इस कमी को पूरा करने की दिशा में कम से कम एक पहल तो की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस युद्ध में करीब तीन हजार से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए थे। इससे पूर्व कई वीर सैनिकों को वीरता पदक से सम्मानित भी किया जा चुका है। लेकिन एक टीस के साथ कहा जाता रहा है कि यह अकसर भुला दिया जाने वाला युद्ध रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोलंबो में भारतीय शांति रक्षक सेना और पलाली में 10–पैरा के शहीदों के लिये स्मारक का निर्माण किया गया था। यह विडंबना ही है कि आईपीकेएफ के पूर्व सैनिक, शहीदों की विधवाएं और उनके परिजन राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर निजी स्तर पर स्मरणोत्सव आयोजित करते रहे हैं। निश्चित ही देश के हितों के लिये चलाये गए किसी भी सैन्य अभियान में शहीद हुए सैनिकों को सामान्य युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की तरह पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए। दरअसल, ऑपरेशन पवन में शहीद हुए सैनिकों के परिजन और युद्ध में भाग लेने वाले जवान भी उन्हें पर्याप्त सम्मान दिए जाने की आस लंबे समय से रखते रहे हैं। वर्षों से उनकी मांग रही है कि साल 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम और वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध के शहीदों की याद में मनाये जाने वाले खास दिनों की तरह 'ऑपरेशन पवन' की याद में भी एक विशेष दिन की घोषणा की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर शहीद सैनिकों के परिजनों की एक टीस उन्हें दशकों से सालती रही है। चूंकि ऑपरेशन पवन में शहीद हुए कई सैनिकों का अंतिम संस्कार या दफनाने की प्रक्रिया विदेशी धरती पर पूरी हुई थी, इसलिए उनके परिजन शहीद सैनिकों के अवशेषों को वापस भारत लाने की नीति को सुव्यवस्थित करने की मांग करते रहे हैं। वे एक ऐसे आयोग के गठन की भी मांग करते रहे हैं जो शहीद सैनिकों के पार्थिव अवशेष को वापस भारत लाने की नीति को तार्किक बना सके। उनकी मांग रही है कि उन अवशेषों को भारत लाकर आईपीकेएफ का एक स्मारक बनाकर, उसमें सम्मान के साथ स्थानांतरित किया जाना चाहिए। निस्संदेह, किसी भी देश के वीर शहीदों के स्मारक सामूहिक स्मृति के प्रतीक होते हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक सशस्त्र बलों द्वारा दिए गए बलिदान के लिये एक सम्मान और स्मरण स्थल के रूप में चिरस्थायी श्रद्धांजलि के रूप में होते हैं। निर्विवाद रूप से इस बहुप्रतीक्षित मांग को हकीकत में बदलने के लिये चाहे कितनी भी जटिलताएं क्यों न हो, सैनिकों के पराक्रम और बलिदान को कम करके आंकने का कोई बहाना नहीं होना चाहिए। यदि हम वीर सैनिकों के बलिदान को समुचित सम्मान देते हैं तो इससे तमाम सैनिकों का मनोबल बढ़ेगा। इस दिशा में अविलंब सार्थक पहल किया जाना वक्त की जरूरत ही है।

नारी सिक्षा और साक्षरता से प्रस्फुटित भविष्य के नए आयाम

संजीव ठाकुर

शिक्षा की विनम्रता और मूल्यों को सर्वोच्च स्थान देता है, परंतु आज प्रतिस्पर्धा के युग में समाज ने साक्षरता को शिक्षा का स्थान दे दिया है, नौकरी, वेतन, पद और आर्थिक चमक के कारण नैतिक मूल्य, सांस्कृतिक विरासत और चरित्र निर्माण पीछे छूट गए हैं।

भारत एक विशाल लोकतांत्रिक राष्ट्र है जिसकी जनसंख्या में स्त्रियों और बच्चों की संख्या भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी पुरुषों की, किंतु सामाजिक ढांचे में स्त्री–शोषण, धार्मिक कट्टरता, रूढ़िवादिता, असमानताओं और अवसरों की कमी ने आज भी महिलाओं को उनके मूल अधिकारों विशेषतः शिक्षा और सुरक्षा से वंचित कर रखा है, यही कारण है कि आधुनिक भारत में स्त्री शिक्षा और साक्षरता को केवल सामाजिक आवश्यकता न मानकर सामाजिक क्रांति का आधार माना जाने लगा है, क्योंकि स्त्री केवल परिवार की संरक्षिका नहीं बल्कि भविष्य की जननी, समाज की प्रथम मार्गदर्शक और संस्कारों की आधारशिला है, और जब स्त्री शिक्षित होती है तो वह अपने परिवार और बच्चों को अच्छे–बुरे, सुरक्षित–असुरक्षित, सामाजिक–असामाजिक के अंतर को समझाती है, यही चेतना आगे चलकर एक सामाजिक परिवर्तन और व्यापक आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार करती है, आज भारत में कोरोना संक्रमण से लेकर स्वास्थ्य, आर्थिक विवेक, स्वच्छता, तकनीकी विकास, मानवाधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों तक हर मुद्दे पर शिक्षा और साक्षरता की महती आवश्यकता महसूस की जा रही है, जिस प्रकार जल के बिना जीवन असंभव है उसी प्रकार शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा और निरर्थक है, किंतु यहाँ आवश्यक है कि शिक्षा और साक्षरता के अंतर को समझा जाए, क्योंकि साक्षरता केवल पढ़ने–लिखने, रोजगार पाने या तकनीकी दक्षताओं तक सीमित है जबकि शिक्षा व्यक्ति का समग्र विकास करती है जिसमें बौद्धिक, नैतिक, आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक परिपक्वता शामिल है, शिक्षा व्यक्ति को सभ्य और विवेकी बनाती है, उसके भीतर संतुलन, सद्बुद्धि और मानवीय संवेदनाएँ विकसित करती है, जबकि साक्षरता केवल वेतन, पद, और व्यावसायिक लाभ से जुड़कर रह जाती है, यही कारण है कि आज उच्च शिक्षित लेकिन व्यवहारिक रूप से अज्ञानी लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है जो समाज के लिए चुनौती बनते दिखाई देते हैं, इतिहास में रावण प्रकांड विद्वान था पर स्त्री–अपहरण जैसी कृत्य ने उसकी विद्वता को व्यर्थ कर दिया, आधुनिक समाज में केतन पारेख और हर्षद मेहता जैसे घोटालेबाज तथा ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकवादी साक्षर तो थे पर शिक्षित नहीं थे, इससे स्पष्ट है कि शिक्षा का संबंध चरित्र–निर्माण से है मात्र रोजगार से नहीं, शिक्षा घर से शुरू होती है जहाँ मां प्रथम गुरु होती है और गर्भकाल से ही

संस्कारों का प्रभाव पड़ता है, अभिमन्यु इसका सर्वोत्तम उदाहरण है, महात्मा गांधी और अब्राहम लिंकन दोनों ने स्वीकार किया कि बच्चे के चरित्र–निर्माण में माताओं की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, इसके बाद विद्यालय, शिक्षक और खेल–कूद जीवन में अनुशासन, नेतृत्व, सहभागीभाव और ईमानदारी जैसे गुणों का विकास करते हैं, इसीलिए कहा जाता है "गुरु बिन ज्ञान नहीं", वहीं सुकरात का यह कथनकृ"मैं इसलिए ज्ञानी हूँ क्योंकि मैं जानता हूँ कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा की विनम्रता और मूल्यों को सर्वोच्च स्थान देता है, परंतु आज प्रतिस्पर्धा के युग में समाज ने साक्षरता को शिक्षा का स्थान दे दिया है, नौकरी, वेतन, पद और आर्थिक चमक के कारण नैतिक मूल्य, सांस्कृतिक विरासत और चरित्र निर्माण पीछे छूट गए हैं, इसी वजह से शिक्षा में नकल, फर्जीवाड़ा, धन देकर नौकरी पाना और भ्रष्टाचार जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ी हैं जिससे सामाजिक मूल्य संकट में पड़ने लगे हैं, ऐसे समय में आवश्यकता है नैतिक साक्षरता कीकृऐसी शिक्षा की जो ज्ञान के साथ–साथ संवेदना, जिम्मेदारी और सांस्कृतिक चेतना को विकसित करे, विशेष रूप से महिलाओं में यह शिक्षा एक सामाजिक बदलाव की सबसे मजबूत कड़ी बन सकती है, क्योंकि शिक्षित स्त्री शोषण से लड़ना जानती है, अपने अधिकार पहचानती है, परिवार को सही दिशा देती है और आने वाली पीढ़ियों को सुसंस्कृत बनाती है, वास्तव में स्त्री का शिक्षित होना सिर्फ उसके परिवार का उत्थान नहीं बल्कि पूरे समाज की प्रगति की कुंजी है, इसलिए आज भारत को केवल साक्षर नागरिक नहीं बल्कि शिक्षित, संवेदनशील, मूल्य–सम्पन्न और संस्कारित नागरिकों की आवश्यकता है, विशेषतः शिक्षित स्त्रियाँ ही समाज में वास्तविक जागरूकता, समानता और नैतिकता की नींव मजबूत कर सकती हैं, क्योंकि साक्षरता हमें पेशा दे सकती है पर शिक्षा हमें इंसान बनाती है, और जब समाज मनुष्यता, संवेदना, समानता और न्याय की राह पर चलेगा तभी भारत एक सशक्त, सुरक्षित और संस्कारित राष्ट्र बन सकेगा, इसलिए स्त्री पढ़ेगी तो इतिहास रचेगी और नारी जागेगी तो समाज आगे बढ़ेगा।

मुस्लिम वोट के लिए ममता का एसआईआर पर विरोध

योगेंद्र योगी

बिहार में राजदकृकांग्रेस विपक्षी महागठबंधन की करारी शिकस्त के बाद पश्चिमी बंगाल में वर्ष 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चौसर बिछ गई है। इस चौसर पर तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोई भी दाव हाथ से नहीं देना चाहती हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआइआर का जम कर विरोध कर रही है। इस विरोध की जड़ में छिपा हुआ है ममता का मुस्लिम वोट बैंक प्रेम। ममता एक तरफ अवैध बांग्लादेशियों और रोहिंग्या शरणार्थियों को बसाने का पुरजोर समर्थन करती रही हैं। ममता का प्रयास है कि भाजपा उत्तर भारत के राज्यों की तरह पश्चिम बंगाल में वोटों का ध्रुवीकरण नहीं कर पाए। इसलिए ममता मुस्लिम वोट बैंक के खिसके बगैर हिन्दू वोट बैंक को भी साधने की फिराक में है। पश्चिम बंगाल के 294 सीट के लिए मार्च–अप्रैल 2026 को विधानसभा चुनाव होना है। यह चुनाव राजनीतिक दृष्टिकोण से बेहद अहम माना जा रहा है। इस चुनाव को राज्य की सत्ता पर दोबारा कब्जा जमाने की कोशिश कर रही सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी दलों के लिए एक निर्णायक युद्ध के रूप में देखा जा रहा है। मौजूदा मुख्यमंत्री

ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है, वहीं भाजपा, वाम दल और कांग्रेस भी नए गठबंधनों और रणनीतियों के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। यही वजह है कि ममता एसआइआर को विरोध का राजनीतिक हथियार बना लिया है। पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में जब से वोटर लिस्ट के एसआईआर करने की प्रक्रिया शुरू हुई है। इसके बाद से पश्चिम बंगाल से अवैध रूप से बॉर्डर पार कर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की तादाद बढ़ गई है। दोनों देशों में अवैध रूप से सीमापार करके आने–जाने का यह सिलसिला पहले घुसपैठियों के अलावा अधिकतर तस्करों के बीच होता था। लेकिन अब जिस तरह से भारत से बांग्लादेश जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। इसे घुसपैठियों का बांग्लादेश वापस लौटना माना जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिम बंगाल से लगते भारत–बांग्लादेश बॉर्डर पर हलचल तेज है। इसमें कुछ लोग पश्चिम बंगाल से बांग्लादेश जाने की कोशिश कर रहे हैं। जिसमें कुछ कामयाब भी हो रहे हैं। हालांकि, बॉर्डर पर चौकस बीएसएफ को देखकर ऐसे लोग जंगलों में भाग जाते हैं। लेकिन बीएसएफ की नजर में ऐसे कुछ मामले आ रहे हैं। जिनमें पश्चिम बंगाल में एसआईआर शुरू होने के बाद बांग्लादेश की तरफ जाने वालों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है। बिहार के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों में एसआईआर शुरू करने की प्रक्रिया चार नवंबर से शुरू की थी। चार दिसंबर तक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जाने और वापस लिए जाने हैं। आयोग का कहना है कि अभी तक पश्चिम बंगाल के कुल सात करोड़ 66 लाख से अधिक मतदाताओं में से सात करोड़ 63 लाख से अधिक वोटरों को एनुमरेशन फार्म बांटे जा चुके हैं। यह काम 99 फीसदी पूरा कर लिया गया है। अब भरे गए फार्म इकट्ठा करना शुरू किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में भारतीय चुनाव आयोग के स्पेशल इंवेस्टिगेटिव रिवीजन का लगातार विरोध कर रही है। इसी कड़ी में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव में एसआईआर विरोधी रैली को संबोधित करेंगी। ममता बनर्जी रैली के बाद बनगांव में एक विरोध मार्च में भी हिस्सा लेंगी। ये दूसरी एसआईआर विरोधी रैली और विरोध मार्च होगा जिसका नेतृत्व ममता करेंगी। पहली रैली 4 नवंबर को कोलकाता में हुई थी। जबकृजब पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट बैंक पर किसी तरह का संकट नजर आता है, ममता बनर्जी हमेशा उनके पक्ष में खड़ी नजर आती हैं। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा था कि बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को देखते हुए वह पड़ोसी देश से संकट में फंसे लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें आश्रय देंगी। बनर्जी ने शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का हवाला देते हुए कहा था कि पिछले कुछ दिनों में पड़ोसी देश में कानून–व्यवस्था की गंभीर स्थिति के कारण संभावित मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है। ममता बनर्जी के इस बयान पर बांग्लादेश की सरकार ने कड़ी आपत्ति जताई थी। बांग्लादेश ने इस मामले पर अपनी चिंता जताते हुए केंद्र सरकार को एक खत भेजा था। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा था कि 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के प्रति पूरे सम्मान के साथ, जिनके साथ हमारे बहुत ही मधुर और घनिष्ठ संबंध हैं, हम यह साफ करना चाहते हैं कि उनकी टिप्पणियों में भ्रम पैदा करने की बहुत गुंजाइश है। इसलिए हमने भारत सरकार को एक खत भेजा है। बांग्लादेशी ही नहीं बल्कि रोहिंग्या शरणार्थियों की भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुल कर पैरवी की। ममता ने कहा था कि रोहिंग्या शरणार्थियों को वापस नहीं भेजना चाहिए। ममता ने रोहिंग्या शरणार्थियों को वापस भेजने का किया विरोध किया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर रोहिंग्या मुसलमानों को वापस भेजने के नाम पर परेशान करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि हर रोहिंग्या मुस्लिम आतंकी नहीं है। उन्हें वापस नहीं भेजना चाहिए। ममता का ये बयान केंद्र द्वारा ये कहने के बाद आया था कि रोहिंग्या मुसलमान भारत की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, उनके संपर्क आईएस और लश्कर ए तैयबा जैसे आतंकी संगठनों से हैं। ममता ने कहा था, हम संयुक्त राष्ट्र के साथ हैं, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रोहिंग्या लोगों की मदद की अपील की है। हम इसका समर्थन करते हैं। एसआईआर के बाद पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या शरणार्थियों में हडकंप मचा हुआ है। वे पहचान उजागर होने के डर से सीमा की तरफ भाग रहे हैं। यही वजह है कि ममता बनर्जी एसआईआर का जमकर विरोध कर रही हैं। इसी तरह का विरोध कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के दूसरे घटक दलों ने भी बिहार में किया था। इसके बावजूद उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। ममता को डर है कि यदि एसआइआर का विरोध नहीं किया और अवैध शरणार्थियों में भगदड़ जारी रही तो इसका वोट बैंक पर इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। यह पहला मौका नहीं है जब वोट बैंक की राजनीति के लिए राजनीतिक दल देश की एकताकृअखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों की पैरवी कर रहे हैं। यह निश्चित है कि ऐसी हरकतों से बेशक चुनाव जीते जा सकते हो, किन्तु इसके दूरगामी परिणाम देश की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा पर पड़ते हैं। बेहतर होगा कि नेता देश के बारे सोचे और ऐसे तत्वों पर कानूनी कार्रवाई की पहल करें, जिससे देश को किसी भी तरह का खतरा हो।

उच्च शिक्षण संस्थानों में नफरत का विस्तार

अरुण कुमार श्रीवास्तव

भाजपा शासन में नफरत का विस्तार किस हद तक किया जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण जम्मू–कश्मीर से आया है, जहां कटरा के श्री माता वैष्णो देवी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में मुस्लिम छात्रों का दाखिला रद्द करने की भाजपा ने की और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस मांग को स्वीकार भी कर लिया। यह सरासर छात्रों के साथ अन्याय है और उस संविधान का भी अपमान है, जिसकी शपथ उपराज्यपाल ने पद ग्रहण करते वक्त ली थी। भाजपा की तो राजनीति ही धर्मांधता और नफरत की है, लेकिन क्या मनोज सिन्हा अब भी खुद को भाजपा की राजनीति से बांध कर चल रहे हैं। जबकि उनका पद उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संविधान की मर्यादा के अनुरूप फैसले लेने की मांग करता है। गौरतलब है कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा की अगुवाई में पांच सदस्यीय भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार 22 नवंबर को एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की और मांग की कि प्रतिनिधिमंडल ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के नियमों में संशोधन कर विश्वविद्यालय में केवल हिंदू छात्रों के लिए सीटें आरक्षित की जाएं। इसके साथ ही इस साल मुस्लिम छात्रों का दाखिला रद्द करने की मांग की। सुनील शर्मा का कहना है कि श्इस साल प्रवेश सूची में ज्यादातर छात्र एक ही समुदाय से हैं। यह विश्वविद्यालय एक धार्मिक संस्था है। हर श्रद्धालु अपनी भक्ति भावना से इस धार्मिक संस्था को दान देता है और चाहता है कि उसकी आस्था को बढ़ावा मिले। लेकिन बोर्ड और विश्वविद्यालय दोनों ने इस पहलू पर ध्यान नहीं दिया। हमने एलजी से साफ कहा है कि केवल वही छात्र प्रवेश पा सकें जिन्हें माता वैष्णो देवी में आस्था हो।भाजपा शासन में नफरत का

विस्तार किस हद तक किया जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण जम्मू–कश्मीर से आया है, जहां कटरा के श्री माता वैष्णो देवी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में मुस्लिम छात्रों का दाखिला रद्द करने की भाजपा ने की और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस मांग को स्वीकार भी कर लिया। यह सरासर छात्रों के साथ अन्याय है और उस संविधान का भी अपमान है, जिसकी शपथ उपराज्यपाल ने पद ग्रहण करते वक्त ली थी। भाजपा की तो राजनीति ही धर्मांधता और नफरत की है, लेकिन क्या मनोज सिन्हा अब भी खुद को भाजपा की राजनीति से बांध कर चल रहे हैं। जबकि उनका पद उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संविधान की मर्यादा के अनुरूप फैसले लेने की मांग करता है।गौरतलब है कि जम्मू–कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा की अगुवाई में पांच सदस्यीय भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार 22 नवंबर को एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की और मांग की कि प्रतिनिधिमंडल ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के नियमों में संशोधन कर विश्वविद्यालय में केवल हिंदू छात्रों के लिए सीटें आरक्षित की जाएं। इसके साथ ही इस साल मुस्लिम छात्रों का दाखिला रद्द करने की मांग की। सुनील शर्मा का कहना है कि श्इस साल प्रवेश सूची में ज्यादातर छात्र एक ही समुदाय से हैं। यह विश्वविद्यालय एक धार्मिक संस्था है। हर श्रद्धालु अपनी भक्ति भावना से इस धार्मिक संस्था को दान देता है और चाहता है कि उसकी आस्था को बढ़ावा मिले। लेकिन बोर्ड और विश्वविद्यालय दोनों ने इस पहलू पर ध्यान नहीं दिया। हमने एलजी से साफ कहा है कि केवल वही छात्र प्रवेश पा सकें जिन्हें माता वैष्णो देवी में आस्था हो।भाजपा शासन में नफरत का विस्तार किस हद तक किया जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण जम्मू–कश्मीर से आया है, जहां कटरा के श्री माता वैष्णो देवी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में मुस्लिम छात्रों का दाखिला रद्द करने की भाजपा ने की और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस मांग को स्वीकार भी कर लिया।

दर्शकों के बीच थियेटर्स में धूम मचा रही फिल्म मस्ती 4 का गाना नागिन रिलीज

> धड़कते बीट्स और चुलबुले माहौल का यह ताजा मिक्स सुनते ही झूमने पर मजबूर कर देता है। इस गाने के विजुअल्स भी उतने ही रंगीन, स्टाइलिश और एनर्जेटिक हैं, जहां मस्ती ४ की कास्ट अपनी धांसू स्क्रीन प्रेजेंस और स्वैग से गाने को और भी खूबसूरत बना रही है। मीट ब्रदर्स इस नए गाने के बारे में कहते हैं, 'नागिन' को हमने पूरी तरह उसी पागलपन और एनर्जी को मैच करने के लिए बनाया है, जिसे दर्शक मस्ती ४ में पसंद कर रहे हैं।

थियेटर्स में शानदार और सफल रन का आनंद ले रही मस्ती 4 की टीम ने अब दर्शकों की भारी डिमांड पर इसका बहुप्रतीक्षित नया गाना 'नागिन' रिलीज कर दिया है। पकड़ पकड़, रसिया बलमा और वन इन करोड़ जैसे वायरल हिट्स के बाद यह ताजा ट्रैक फिल्म की म्यूजिकल लाइनअप में एक और धमाकेदार तड़का जोड़ता है, जो फ्रेंचाइजी की एनर्जी और मस्ती को और ऊंचा उठा रहा है। मीट ब्रदर्स द्वारा कंपोज और मीट ब्रदर्स, दानिश साबरी, अमित गुप्ता और आदित्य जैन द्वारा गाया गया 'नागिन' एक हाई–वोल्टेज, जोशीला और धमाकेदार गाना है। यह गाना अपने बेबाक अंदाज, फ्लर्टी वाइब और मास अपील के साथ मस्ती यूनिवर्स की पहचान को पूरी तरह दर्शाता है। धड़कते बीट्स और चुलबुले माहौल का यह ताजा मिक्स सुनते ही झूमने पर मजबूर कर देता है। इस गाने के विजुअल्स भी उतने ही रंगीन, स्टाइलिश और एनर्जेटिक हैं, जहां मस्ती 4 की कास्ट अपनी धांसू स्क्रीन प्रेजेंस और स्वैग से गाने को और भी खूबसूरत बना रही है। मीट ब्रदर्स इस नए गाने के बारे में कहते हैं, "'नागिन' को हमने पूरी तरह उसी पागलपन और एनर्जी को मैच करने के लिए बनाया है, जिसे दर्शक मस्ती 4 में पसंद कर रहे हैं। ये बोल्ड है, कैची है, और इसमें वही देसी डांस ग्रूव है जिससे लोग तुरंत कनेक्ट होते हैं। हम एक ऐसा ट्रैक चाहते थे जो मजेदार, फेस्टिव और बिल्कुल लार्जर–दैन–लाइफ हो और 'नागिन' बिल्कुल वही फील देता है।" गायक और लिरिसिस्ट दानिश साबरी ने अपनी बात रखते हुए कहा, "'नागिन' बनाते वक्त हमें बहुत मजा आया। ये चटपटा है, क्वर्की है और फिल्म की पूरी दीवानगी को पकड़ता है। इसका हुक खास तौर पर इस तरह लिखा है कि तुरंत जुबान पर चढ़ जाए। लोग हाई–एनर्जी ट्रैक मांग रहे थे, और ये उसी का जवाब है!"मिलाप मिलन जवेरी निर्देशित मस्ती 4 अपने "लव वीजा" प्लॉट, यूके में शूट हुए भव्य विजुअल्स, स्टाइलिश प्रोडक्शन डिजाइन और ओजी तिकड़ी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी की शरारती केमिस्ट्री के साथ फ्रेंचाइजी को और बड़े स्तर पर ले जाती है। उनके साथ रूही सिंह, श्रेया शर्मा, एलनाज नोरोजी नजर आती हैं, जबकि अरशद वारसी और नरगिस फाखरी स्पेशल अपीयरेंस में दिखाई देते हैं।

शिल्पा शेट्टी की 'पहचान' पर खतरा! AI–डीपफेक के गैर–कानूनी इस्तेमाल के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचीं

बॉलीवुड एक्टर शिल्पा शेट्टी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में अर्जी देकर अपनी पर्सनैलिटी के अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है, ताकि कई जाने–माने और अनजान प्लेटफॉर्म्स द्वारा उनके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) वर्जन, डीपफेक इमेज वगैरह का गैर–कानूनी तरीके से कमर्शियलाइज़ेशन न किया जा सके और वे प्रॉफिट कमा रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी ने अपने 'व्यक्तित्व अधिकारों' की सुरक्षा के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने बंबई उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर मुख्य रूप से विभिन्न वेब पोर्टल द्वारा उनके नाम, तस्वीर और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य विशेषताओं के अनधिकृत उपयोग पर रोक का अनुरोध किया है। अधिवक्ता सना रईस खान के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि नाम, तस्वीर, आवाज और हस्ताक्षर सहित शेट्टी के ''व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों'' का उनकी अनुमति के बिना व्यावसायिक लाभ के लिए दुरुपयोग किया गया है।

याचिका, जिस पर जल्द सुनवाई की संभावना है, में ऐसे उल्लंघनों में लिप्त ऑनलाइन पोर्टल के नाम भी शामिल हैं। वकील खान ने कहा, ''अभिनेत्री की तस्वीर और पहचान का दुरुपयोग इस हद तक पहुंच गया है कि कानूनी हस्तक्षेप अनिवार्य हो गया है।'' अभिनेत्री ने उच्च न्यायालय से अपने व्यक्तित्व अधिकारों के इस तरह के इस्तेमाल पर रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। इससे पहले, बंबई और दिल्ली उच्च न्यायालयों ने कई फिल्मी हस्तियों को इसी तरह की राहत दी है।

अपनी पहचान बचाने के लिए कई सेलेब्रिटीज़ आगे आ रहे हैं। शिल्पा शेट्टी यह कदम उठाने वाली पहली नहीं हैं। हाल के दिनों में, कई जानी–मानी हस्तियों ने अपनी पहचान के अधिकारों की रक्षा के लिए कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। इनमें ऐश्वर्या राय, अभिषेक बच्चन, अमिताभ बच्चन, करण जौहर, ऋषभ शेट्टी, जया बच्चन, ऋतिक रोशन और अक्किनेनी नागार्जुन शामिल हैं।

मनीष मल्होत्रा की गुस्ताख इश्क ने 56वें आईएफएफआई में जीता दर्शकों का दिल

मनीष मल्होत्रा की गुस्ताख इश्क दृ कुछ पहले जैसा ने गोवा में आयोजित 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में अपने विश्व प्रीमियर के दौरान पर्दे पर रोशनी बिखेर दी, और दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ इसका स्वागत किया। नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी अभिनीत इस फिल्म को दर्शकों से बेहद गर्मजोशी भरी प्रतिक्रिया मिली, जिसने उन्हें भावुक और स्पष्ट रूप से प्रभावित कर दिया। फिल्म निर्माण में स्टेज5 प्रोडक्शन के तहत गुस्ताख इश्क के साथ कदम रखने वाले मनीष मल्होत्रा के लिए यह क्षण एक अविस्मरणीय उपलब्धि हैकृयह साबित करते हुए कि उन्होंने सिर्फ फिल्म निर्माण की दुनिया में प्रवेश नहीं किया, बल्कि ६ ामाकेदार एंट्री मारी है! मनीष मल्होत्रा, विजय वर्मा और फातिमा सना शेख इस यादगार पल के साक्षी बनने और दर्शकों के प्यार को महसूस करने के लिए ध्य्य में मौजूद थे। गुस्ताख इश्क दृ कुछ पहले जैसा सिर्फ एक रोमांटिक कहानी नहीं है। यह पुरानी मोहब्बत की यादें ताजा करती है और शायरी व सोलफुल संगीत के जादू को बुनते हुए दिल को सीध ो छू लेने वाली दास्तान बनाती है। मनीष मल्होत्रा और उनके भाई दिनेश मल्होत्रा द्वारा स्टेज5 प्रोडक्शन के तहत निर्मित यह फिल्म विभु पुरी द्वारा निर्देशित है, और पुरानी दिल्ली की गलियों तथा पंजाब की ढलती कोठियों की पृष्ठभूमि में जुनून और अनकही चाहत की मार्मिक कहानी के रूप में सामने आती है। फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओरी ने 252 करोड़ रुपये के ड्रग केस की जांच में सहयोग नहीं किया, शामिल होने से किया इनकारः सूत्र

बॉलीवुड के सोशलाइट और इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि, जिन्हें ओरी के नाम से जाना जाता है, 252 करोड़ रुपये के मेफेड्रोन बरामदगी मामले में पूछताछ के लिए बुधवार को मुंबई पुलिस की एंटी–नारकोटिक्स सेल (ANC) के सामने पेश हुए। वह दोपहर करीब 1.30 बजे घाटकोपर ।छछ६ यूनिट पहुंचे और शाम को जाने से पहले उनसे करीब आठ घंटे पूछताछ हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। ओरी अपराह्न एक बजकर 40 मिनट पर एएनसी की घाटकोपर इकाई में पहुंचे और रात नौ बजकर 30 मिनट के बाद उन्हें जाते देखा गया। अधिकारी ने बताया कि ओरी को इससे पहले, पिछले बृहस्पतिवार को एएनसी कार्यालय में तलब किया था लेकिन उन्होंने (ओरी) वहां उपस्थित होने के लिए और समय मांगा था। पुलिस के अनुसार, 252 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन जब्ती मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख से हुई पूछताछ के दौरान ओरी का नाम सामने आया था। सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान ओरी ने इन्वेस्टिगेटर्स के साथ कोऑपरेट नहीं किया। अधिकारियों ने दावा किया कि उसने बार–बार शामिल होने से इनकार किया, यह कहते हुए कि वह ड्रग्स नहीं लेता है और जिन पार्टियों में वह जाता है, वहां ड्रग्स के इस्तेमाल के बारे में उसे कुछ नहीं पता। उसने कथित तौर पर यह भी दावा किया कि वह भारत और विदेश दोनों जगह इतनी सारी पार्टियों में जाता है कि उसे याद नहीं है कि उन इवेंट्स में कौन मौजूद था या क्या हुआ था। सूत्रों ने कहा कि ओरी ने ज़ोर देकर कहा कि उसे सिर्फ़ सेलिब्रिटीज़ के साथ फ़ोटो खिंचवाने के लिए पार्टियों में बुलाया जाता है और दावा किया कि बॉलीवुड पर्सनैलिटीज़ उसे खास तौर पर फ़ोटो खिंचवाने के लिए बुलाती हैं।

आंखों में आंसू, चेहरे पर मायूसी लिए धर्मेंद्र की अस्थियां लेकर निकले पोते करण देओल

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र का 24 नवंबर को निधन हो गया है। उनके निधन के बाद से पूरे परिवार और इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। सनी देओल के बेटे और एक्टर करण देओल दादा की अस्थियां लेकर श्मशान घाट से बाहर निकले। इसका एक भावुक कर देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में करण देओल अपनी गाड़ी

में बैठे नजर आ रहे हैं। उनके हाथों में लाल कपड़े में बंधी धर्मेंद्र की अस्थियां हैं। करण इस दौरान एकदम शांत और गहरे दुख में डूबे हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके चेहरे से साफ जाहिर है कि ही–मैन के जाने से पूरा परिवार बिखर गया है। धर्मेंद्र पिछले कुछ समय से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। अस्पताल में कुछ समय बिताने के बाद वे ठीक हो रहे थे, लेकिन 24 नवंबर सोमवार को अचानक उनकी तबीयत खराब हुई और उनका निध ान हो गया। उनके जाने से इंडस्ट्री के साथ–साथ पूरे देश में मातम छा गया है।धर्मेंद्र को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए उनके फैंस भी भारी संख्या में जमा थे। अंतिम संस्कार में मीडिया और बाहरी लोगों को एंट्री न मिलने और अचानक जल्दबाजी में किए गए अंतिम संस्कार को लेकर फैंस का गुस्सा देओल परिवार पर भी उतर रहा है। फैंस सोशल मीडिया पर सवाल उठा रहे हैं कि इतने बड़े और लोकप्रिय एक्टर का अंतिम संस्कार इतनी अचानक और गुपचुप तरीके से क्यों किया गया?

जल्दबाजी में क्यों किया गया ही–मैन धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार? जानिए इसके पीछे की असल सच्चाई

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और पद्म भूषण धर्मेंद्र का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी अंतिम विदाई कुछ ही घंटों में संपन्न हो गई, जिससे उनके फैंस में कई सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग देओल परिवार से सवाल कर रहे हैं कि इतनी जल्दी अंतिम संस्कार क्यों किया गया और हमारे हीरो की अंतिम झलक क्यों नहीं दिखाई गई। धर्मेंद्र पिछले कई महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे। 12 नवंबर को उन्हें ब्रीच कैंडी अस्पताल से छुट्टी मिली थी, उसके बाद वे घर पर डॉक्टरों की निगरानी में थे। सोमवार सुबह अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और जुहू स्थित घर पर ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद देओल परिवार गहरे सदमे में है। सनी देओल, बॉबी देओल और हेमा मालिनी सभी भावनात्मक रूप से टूट गए। धर्मेंद्र के अंतिम संस्कार में केवल बेहद करीबी लोग ही शामिल हुए। सूत्रों के अनुसार दो मुख्य कारण थेरू पहली, धर्मेंद्र की इच्छा थी कि उनकी अंतिम विदाई सरल और पारिवारिक माहौल में हो। दूसरी, उनके निधन की खबर फैलते ही घर के बाहर बड़ी भीड़ जमा हो गई थी। सुरक्षा और गोपनीयता बनाए रखने के लिए परिवार ने बिना देर किए अंतिम संस्कार का फैसला लिया। अमिताभ बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, अनुपम खेर और धर्मेंद्र के पुराने साथी कलाकारों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। सभी ने कहा कि धर्मेंद्र का जाना एक युग का अंत है। कई कलाकारों ने परिवार के फैसले का सम्मान किया और इसे उनके भावनात्मक स्थिति के अनुसार समझा। धर्मेंद्र हमेशा कहते थे कि जीवन को सादगी से जियो और इसी सादगी से विदा लो। उनका अंतिम संस्कार भी बिलकुल साधारण तरीके से हुआ। उनकी चिता के पास केवल परिवार और कुछ करीबी दोस्त ही मौजूद थे। धर्मेंद्र देओल का योगदान हिंदी सिनेमा में अमूल्य रहा है और हमेशा रहेगा। उनके अभिनय और व्यक्तित्व की यादें हमेशा लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगी। देओल परिवार अभी भी शोक में है और तमाम सवालों पर उनका मौन उसी शोक का हिस्सा माना जा रहा है।

टमाटर का ताजापन कभी न हो जाए कम, जानें स्टोरिंग के 8 एक्सपर्ट टिप्स!

टमाटर एक ऐसी सब्जी है जिसे घरों में हर रोज इस्तेमाल किया जाता है। सलाद, सूप, चटनी, करी, और अन्य कई व्यंजनों में टमाटर का उपयोग होता है। हालांकि, यह जल्दी खराब होने वाली चीज है और इसे सही तरीके से स्टोर न करने पर इसकी ताजगी कम हो जाती है। यदि आप चाहते हैं कि टमाटर लंबे समय तक ताजे रहें, तो नीचे लिखे 8 टिप्स को ध्यान में रखें। ये टिप्स न केवल आपके टमाटरों की ताजगी बनाए रखने में मदद करेंगे, बल्कि वे उनका स्वाद भी बेहतर बनाए रखेंगे।

सही टेम्परेचर पर रखे

टमाटर को फ्रिज में रखना आमतौर पर गलत समझा जाता है। यदि आप टमाटरों को फ्रिज में रखेंगे, तो उनका स्वाद और बनावट बिगड़ सकते हैं। टमाटर को हमेशा रूम टेम्परेचर पर रखें, लेकिन यह ध्यान रखें कि टेम्परेचर बहुत अधिक न हो। अगर मौसम गर्म है, तो आप उन्हें ठंडी और सूखी जगह पर रख सकते हैं। टमाटरों को ठंडे जगह पर रखने से उनकी ताजगी बनी रहती है, और वे जल्दी सड़ते नही है।

कागज की तौलिया में लपेटें

टमाटर को रखने के समय ज्यादा नमी से बचाना बहुत जरूरी है। टमाटरों को कागज की तौलिया में लपेटने से वे नमी को सोख लेते हैं, जिससे सड़ने और खराब होने के चांस कम हो जाते है। यह बहूत उपयोगी होता है जब आप टमाटरों को एक साथ रखते हैं, क्योंकि नमी से उन पर जल्दी फंगस लग सकती है। कागज की तौलिया ज्यादा नमी को सोख लेती है और चीजों को ताजा रखती है।

पके हुए और कच्चे टमाटरों को अलग रखें

जब आप टमाटर खरीदते हैं, तो ध्यान दें कि कुछ टमाटर पकने के लिए तैयार हो सकते हैं, जबकि कुछ कच्चे होते हैं। पके हुए और कच्चे टमाटरों को एक साथ रखने से उनका खराब होना जल्दी हो सकता है, क्योंकि पके हुए टमाटर कच्चे टमाटरों को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए, इन दोनों को अलग–अलग रखें, ताकि दोनों की ताजगी बनी रहे। पके हुए टमाटरों को जल्द से जल्द उपयोग करें, जबकि कच्चे टमाटरों को कमरे के तापमान पर रखें ताकि वह पक सकें।

टमाटरों को एक–दूसरे के ऊपर न रखें

कभी भी टमाटरों को एक–दूसरे के ऊपर न रखें। एक दूसरे पर दबाव डालने से टमाटर जल्दी दब सकते हैं और उनकी बाहरी सतह पर दरारें पड़ सकती हैं, जो खराब होने का कारण बन सकती हैं। टमाटरों को हमेशा सपाट और एक–दूसरे से थोड़ी दूरी पर रखें। यदि आप एक कंटेनर में टमाटर रख रहे हैं, तो इस बात का ध्यान रखें कि उनके ऊपर कोई भारी वस्तु न हो।

पत्तियां और टहनियां हटा दें

जब आप टमाटर लाते हैं, तो उनकी पत्तियांऔर टहनियां हटा दें। पत्तियाँ टमाटरों की नमी को अवशोषित कर सकती हैं और उनके सड़ने का कारण बन सकती हैं। इसलिए, टमाटरों को पत्तियां और टहनियां हटाकर स्टोर करें। इससे टमाटर ताजे रहते हैं और जल्दी खराब नहीं होते।

पानी से दूर रखें

टमाटर को पानी में भिगोने से बचें। पानी में भिगोने से टमाटर जल्दी सड़ सकते हैं और उनका स्वाद भी बिगड़ सकता है। हमेशा टमाटरों को सूखा रखें और सुनिश्चित करें कि उन पर कोई अतिरिक्त पानी न हो। जब आप टमाटरों को धोते हैं, तो उन्हें अच्छे से सुखा लें, ताकि पानी से उनका खराब होने का खतरा न हो।

चमकदार और बिना धब्बे वाले टमाटर चुनें

जब भी आप टमाटर खरीदने जाएं, तो कोशिश करें कि ताजे, चमकदार रंग के और बिना किसी धब्बे वाले टमाटर ही खरीदें। पुराने और खस्ता टमाटर जल्दी खराब हो जाते हैं। टमाटरों की त्वचा पर कोई भी निशान या धब्बे न हों, यह सुनिश्चित करें। यदि टमाटर पर किसी भी प्रकार का दाग या धब्बा दिखाई दे, तो वह खराब होने का संकेत हो सकता है, और ऐसे टमाटर को जल्द ही उपयोग कर लेना चाहिए। टमाटर को ताजगी बनाए रखने के लिए इन सरल लेकिन प्रभावी टिप्स का पालन करें। सही स्टोरिंग तकनीक के साथ आप अपने टमाटरों को लंबे समय तक ताजे रख सकते हैं और उनका स्वाद भी बनाए रख सकते हैं। इन टिप्स को अपनाकर आप न केवल टमाटरों की गुणवत्ता बढ़ा सकते हैं, बल्कि उनका पोषण भी बरकरार रख सकते हैं।

जल्द ही बनने जा रही है दुल्हन, तो अपने मेकअप किट में इन प्रोडकट्स को एड–ऑन करें

जीवन में शादी का दिन बेहद खास होता है। शादी का दिन जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर होता है, और हर दुल्हन अत्यधिक खर्च किए बिना सुंदर महसूस करने की हकदार है। हाई–एंड ब्राइडल मेकअप लुक हासिल करना महंगा नहीं है। सही बजट के अंदर बेहतरीन मेकअप प्रोड्क्टस होना जरुरी है। लंबे समय चलने वाले ये मेकअप उत्पाद बड़े–बेड ब्रांड को टक्कर देते हैं। फाउंडेशन से लेकर भारी मस्कारा और चमकते हाइलाइटर्स तक, ये किफायती विकल्प आपको मिल जाएंगे। आइए आपको इन बारे में बताते हैं।

जीरो ब्लेंड वेटलेस फाउंडेशन

कम बजट वाले मेकअप उत्पाद की तलाश में हैं, तो आपको बता दें कि, ड ैि का जोरो ब्लेंड फाउंडेशन ज्यादा महंगा नहीं है। यह मैट फिनिश प्रदान करता है। इसका हल्का, हाइड्रेटिंग फॉर्मूला आसानी से चेहरे पर फुल कवरेज देता है। इसे पूरे दिन लगा सकते है। चाहे आप नेचुरल या पूर्ण–कवरेज लुक पसंद करते हों, यह फाउंडेशन गर्मी और नमी में भी टिका रहता है, जिससे लंबे समय तक ताजगी बनी रहती है। हर भारतीय त्वचा टोन के अनुरूप इसे डिजाइन किया गया, यह ब्राइड के लिए एकदम सही विकल्प है। इसे आप ऑनलाइन या बाजार से भी खरीद सकते हैं।

मैट और सेट डुओ कॉम्पैक्ट

कम बजट में फ्लोलेस, कम चमक के साथ फिनिश वाला यह कॉम्पैक्ट दुल्हानों के लिए बेस्ट है। स्विस ब्यूटी मैट और सेट डुओ कॉम्पैक्ट बहुत जरूरी है। इस टू–इन–वन उत्पाद में स्मूथ, समान कवरेज के लिए एक कॉम्पैक्ट पाउडर और ब्राइटनिंग और टच–अप के लिए एक बेस्ट पाउडर है। हल्का और इजी ब्लेंड के साथ, यह एक सहज मैट फिनिश देता है, जो पूरे दिन बनी रहती है। यह प्रोडक्ट यात्रा के लिए बिल्कुल उपयुक्त, यह किफायती डुओ दुल्हन के मेकअप किट के लिए बेस्ट है।

बेक्ड हाइलाइटर

यह हाइलाइटर इनसाइट रिवोल्यूशनरी पैलेट ब्राइड के लिए काफी बढ़िया है। इसकी वेलवेट, सॉफ्ट बनावट सरलता से चेहरे पर फिनिश देती है। बस एक टच से ही स्किन को यह चमकदार बना देती है। यह काफी लंबे समय तक चलने वाला हाइलाइटर है। यह एकदम बजट–अनुकूल उत्पाद है।

होलोग्राफिक लिक्विड आईलाइनर

आजकल होलोग्राफिक आईलाइनर काफी ट्रेंड में है। इनको आप अपनी मेकअप किट में जरुर शामिल करें। यह आपकी आंखों को एक 3डी, मनोरम लुक देता है। बता दें कि, यह प्रोडक्ट वाटरप्रूफ है काफी लंबे समय तक चलता है। होलोग्राफिक लिक्विड आईलाइनर दुल्हन की सुंदरता को एक चमकदार फिनिश के साथ सामने लेकर आता है।

ग्लिटर पैलेट

Shryoan यूनाइटेड के ग्लिटर पैलेट के साथ अपनी आंखों का चमका सकते हैं! आंखों को आकर्षक लुक देने के लिए यह पैलेट आपका पसंदीदा बन जाएगा। क्योंकि यह प्रभावशाली, उच्च चमक वाले चमकदार टोन से भरा है। यह लंबे समय तक चलने वाला और लगाने में आसान है, जो इसे शादियों, पार्टियों और अन्य विशेष अवसरों को आकर्षक बनाने के लिए आदर्श बनाता है।

क्या आप भी पित्त की पथरी से परेशान हैं? जानें इसके खतरनाक संकेत और बचने के उपाय

पित्त की पथरी एक आम समस्या है, जो शरीर के विभिन्न अंगों में बन सकती है, और समय के साथ गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। यह खासतौर पर पित्ताशय (गॉलब्लैडर) में बनती है और आमतौर पर पित्त में मौजूद तत्वों के जमा होने से बनती है। पित्त की पथरी का आकार रेत के दाने जितना छोटा हो सकता है या फिर गेंद जितना बड़ा भी हो सकता है। कुछ लोगों में एक पित्त की पथरी बनती है, जबकि दूसरों में कई पथरी एक साथ बन सकती हैं। इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों को समझना और समय रहते उपचार करना महत्वपूर्ण है।

पित्त की थैली में पथरी के शुरुआती संकेत

दाहिने हिस्से में दर्द

पित्त की पथरी होने पर पेट के दाहिने हिस्से में हल्का से लेकर तेज दर्द महसूस हो सकता है। यह दर्द खाने के बाद बढ़ सकता है और कभी–कभी यह दर्द पीठ और कंधे तक फैल सकता है।

भारीपन और अपच

पित्त की पथरी पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकती है, जिससे खाना खाने के बाद पेट में भारीपन, अपच, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन लक्षणों को नजरअंदाज करना गंभीर हो सकता है, क्योंकि यह पित्त की पथरी की संभावना को बढ़ाता है।

मतली और उल्टी

पित्त की पथरी के कारण पित्त का निर्माण ठीक से नहीं हो पाता, जिससे पेट में सूजन और पित्त के प्रवाह में समस्या उत्पन्न होती है। इस वजह से तला–भुना या मसालेदार खाना खाने के बाद अक्सर मतली और उल्टी हो सकती है।

पेट में सूजन और गड़बड़ी

पित्त की पथरी की वजह से पेट में हल्की या गंभीर सूजन हो सकती है। इसके साथ गैस, भारीपन और पाचन संबंधी समस्याएं जैसे कब्ज और पेट दर्द भी हो सकती हैं। कई बार यह लक्षण खाना न पचने पर भी होते हैं।

पेशाब के रंग में बदलाव

गालब्लैडर की पथरी के कारण पेशाब का रंग पीला हो सकता है, और कभी–कभी खून भी आ सकता है। इसके अलावा, बार–बार पेशाब आना भी पित्त की पथरी के गंभीर लक्षण हो सकते हैं। इसके अलावा, पित्त की पथरी के कारण थकान, कमजोरी, पीठ और पेट के साइड्स में दर्द जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

कब जाएं डॉक्टर के पास?

अगर आपको उपरोक्त लक्षणों में से कोई भी महसूस हो, तो इसे नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। पित्त की पथरी का सही समय पर इलाज करने से इसकी जटिलताओं से बचा जा सकता है। इसके अलावा, अगर आपको पीलिया जैसी समस्या हो तो पित्त की पथरी की जांच करवाना जरूरी है।

पित्त की पथरी से बचाव के उपाय

भरपूर पानी पिएं

पानी हमारे शरीर के लिए आवश्यक है, और यह पित्त की पथरी के निर्माण को रोकने में भी मदद कर सकता है। पानी पित्तियों को पतला रखने में मदद करता है, जिससे पित्त की गाढ़ी बनावट नहीं होती। अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो पित्त में मौजूद घटक एकजुट होकर पथरी का रूप ले सकते हैं।

सामान्यतः एक दिन में 8–10 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है, जिससे शरीर में सही हाइड्रेशन बनी रहे और पित्ताशय की समस्याओं से बचा जा सके।

तला–भुना और मसालेदार भोजन से बचें

तला–भुना और मसालेदार भोजन पाचन क्रिया को धीमा कर देता है और शरीर के भीतर अशुद्धि को बढ़ाता है। जब आप इन प्रकार के भोजन का अत्यधिक सेवन करते हैं, तो पित्ताशय में अतिरिक्त पित्त जमा होने लगता है, जिससे पथरी बनने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, यह आपके जिगर और आंतों पर दबाव डालकर पाचन समस्याओं का कारण बन सकता है। इसलिए तला–भुना और अत्यधिक मसालेदार भोजन से बचना महत्वपूर्ण है, ताकि शरीर का पाचन तंत्र सही तरीके से काम करता रहे।

खाना स्किप न करें

अगर आप नियमित रूप से भोजन नहीं करते हैं या खाना स्किप करते हैं, तो इसका सीधा असर पित्ताशय पर पड़ता है। खाना छोड़ने से पित्त का निर्माण अधिक होता है, जो बाद में पथरी में बदल सकता है। इससे पाचन प्रक्रिया असंतुलित हो जाती है और पेट में भारीपन, गैस, या अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए, दिन में तीन मुख्य भोजन और दो स्नैक्स का सेवन करना चाहिए, ताकि पाचन तंत्र सही ढंग से काम करता रहे और पित्त की पथरी से बचाव हो सके।

वजन नियंत्रित रखें

अधिक वजन होना पित्त की पथरी बनने का एक बड़ा कारण हो सकता है। जब शरीर में अतिरिक्त वसा जमा होती है, तो यह पित्त में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे पित्त की पथरी का निर्माण हो सकता है। वजन बढ़ने से शरीर में हार्मोनल असंतुलन भी हो सकता है, जो पित्त की पथरी के निर्माण को बढ़ावा देता है। इसलिए वजन को नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है, और इसके लिए नियमित व्यायाम और संतुलित आहार आवश्यक है।

फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाएं

फाइबर युक्त भोजन पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है और पित्त की पथरी के निर्माण को रोक सकता है। ताजे फल, सब्जियां, साबुत अनाज, और बीजों में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो पित्त के प्रवाह को नियमित रखता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। फाइबर शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है और पाचन को सही बनाए रखने के लिए जरूरी है। इसलिए, अपनी डाइट में इन खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए। इन उपायों का पालन करके आप पित्त की पथरी से बच सकते हैं और अपनी सेहत को बेहतर बनाए रख सकते हैं।

ड्राई स्किन होंगी छूमंतर, बस इस तरह से घर पर बनाएं एलोवेरा बॉडी लोशन

विंटर सीजन में ड्राई स्किन से हम सभी परेशान रहते है। कितना भी ध्यान रखे लें स्किन का फिर सूखी त्वचा हो जाती है। हवा में नमी इतनी कम होती है कि स्किन ड्राई होने लगती है। स्किन को सॉफ्ट और मुलायम बनाने के लिए आपको महंगे–महंगे प्रोडक्ट्स लेने की कोई जरुरत नहीं है। अपनी स्किन मुलायम और चिकनी बनाने के लिए आप घर पर ही बॉडी लोशन बना सकते हैं। आइए आपको बताते हैं बॉडी लोशन बनाने का तरीका।

बॉडी लोशन बनाने के लिए सामग्री

– 1 कप नारियल तेल
– 1 कप एलोवेरा पत्ती
– लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदें
– लोबान ऑयल की कुछ बूंदें

एलोवेरा बॉडी लोशन कैसे बनाएं

ड्राई स्किन से छुटकारा पाने के लिए एलोवेरा बॉडी लोशन तैयार करते हैं। सबसे पहले एलोवेरा को काटकर साफ करें। एलोवेरा के कांटों और छिलकों को भी निकाल लें। फिर इसको जेल को निकालें। इसे जेल को गंदगी को साफ करने के लिए इसे पानी में धो लें। इसके बाद टिशू पेपर से एक्सट्रा पानी को निकाल दें। अब जेल को अच्छे ब्लेंड कर लीजिए। जब लोशन में हल्की और मक्खन जैसी कंसिस्टेंसी आ जाए तो इसमें लैवेंडर और लोबान मिलाएं। इसके बाद अच्छे से मिक्स करके अपने पसंदीदा एयर टाइट कंटेनर में इसे पैक करें। बॉडी लोशन तैयार करते है। इसको आपको 15–20 दिन के लिए आराम से रख सकते हैं। नहाने के तुरंत बंद इस लोशन को लगाए ताकी बेस्ट रिजल्ट मिले।

संक्षिप्त

दुर्लभ खनिज चुंबक सभी देशों से मंगाए जा रहे हैं, जिनमें चीन भी शामिल है : वैष्णव

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि दुर्लभ खनिज चुंबक चीन और जापान समेत उन देशों से मंगाए जा रहे हैं जिनके साथ भारत के समझौते हैं। मंत्री ने बताया कि भारत दुर्लभ खनिज चुंबकों का स्थानीय उत्पादन शुरू होने के बाद अधिशेष उत्पादन का निर्यात करने की योजना बना रहा है। वैष्णव ने संवाददाताओं से कहा, ''जिन–जिन देशों के साथ हमारे समझौते हैं, दुर्लभ खनिज चुंबक वहां से ही आते हैं। चाहे वह चीन हो, जापान हो, वियतनाम, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा या अमेरिका की कुछ उत्पादन इकाइयां हों, इन सभी देशों से तत्काल आवश्यकता पूरी की जाती है।'' केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 'ठोस दुर्लभ खनिज स्थायी चुंबकों के विनिर्माण की 7,280 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना' को स्वीकृति प्रदान कर दी। इस योजना के लिए कुल 7,280 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। इसमें पांच वर्षों के लिए आरईपीएम की बिक्री से संबंधित 6,450 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन और 6,000 टन प्रति वर्ष आरईपीएम विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए 750 करोड़ रुपये की पूंजीगत सब्सिडी शामिल है। वैष्णव ने कहा कि देश में आरईपीएम की वार्षिक आवश्यकता लगभग सालाना 4,000 टन की है और भारत अधिशेष उत्पादन को भी निर्यात करने की योजना बना रहा है।

पंजाब सरकार ने गन्ने की कीमत 15 रुपये बढ़ाकर 416 रुपये प्रति क्विंटल की

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ने की कीमत 15 रुपये बढ़ाकर 416 रुपये प्रति क्विंटल करने की घोषणा की। इसके साथ ही पंजाब में अब गन्ने की कीमत देश में सबसे ज्यादा है। मान ने यहां एक आधुनिक चीनी मिल और सह–उत्पादन संयंत्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि पंजाब गन्ने के लिए इतनी ऊंची कीमत तय करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने राष्ट्रीय स्तर पर एक मानक स्थापित किया है। मान के हवाले से एक सरकारी बयान में कहा गया है कि राज्य ने हमेशा अधिकतम गन्ना मूल्य के मामले में देश का नेतृत्व किया है, यह परंपरा जारी रखी गई है। मान ने उम्मीद जताई कि इस किसान–समर्थक

कदम से किसानों को बहुत फायदा होगा, खासकर सीमावर्ती जिलों के किसानों को, जहां गन्ना एक प्रमुख फसल है। मान ने कहा कि एक अन्य मुख्य आकर्षण 28.5 मेगावाट सह–उत्पादन बिजली संयंत्र का चालू होना है, जिसे राज्य बिजली उपयोगिता को 20 मेगावाट अधिशेष बिजली की आपूर्ति करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बिजली आपूर्ति से प्रत्येक पेराई सत्र के दौरान लगभग 20 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व उत्पन्न होने का अनुमान है, जिससे मिल की वित्तीय स्थिरता काफी मजबूत होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस विस्तार से पूरे क्षेत्र में गन्ना उत्पादकों को सीधे लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मिल को गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों की संख्या 2,850 से बढ़कर लगभग 7,025 होने की उम्मीद है। भाजपा नेता अश्वनी शर्मा पर कटाक्ष करते हुए मान ने उनसे पहले यह सुनिश्चित करने को कहा कि पंजाब को हाल की बाढ़ के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सांकेतिक राहत के रूप में घोषित 1,600 करोड़ रुपये मिले। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप में उलझने के बजाय केंद्र से पंजाब की उचित हिस्सेदारी और वैध अधिकार हासिल करने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

रुपया शुरुआती कारोबार में दो पैसे टूटकर 89.24 प्रति डश्वलर पर

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.24 पर आ गया। अस्थिर वैश्विक व्यापार के बीच आयातकों की ओर से अमेरिकी मुद्रा की बढ़ती मांग के कारण रुपये में गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी पूंजी के नए प्रवाह और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से रुपये को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा

बाजार में रुपया 89.19 प्रति डॉलर पर खुला। फिर शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 89.24 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.22 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.43 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 305.82 अंक या 0.36 प्रतिशत चढ़कर 85,915.33 अंक पर और निफ्टी 69.15 अंक या 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,274.45 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.86 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 4,778.03 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत अब स्पिन के खिलाफ कमजोर क्यों ? रविचंद्रन अश्विन ने बताई बड़ी वजह, बोले– ये अचानक नहीं हुआ...

चेन्नई। भारत की टेस्ट क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली करारी हार के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। भारत को गुवाहाटी में 408 रनों से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज में 2–0 से क्लीन स्वीप किया। इस हार ने भारतीय बल्लेबाजों की स्पिन के खिलाफ कमजोरी को उजागर कर दिया। इसी मुद्दे पर बोलते हुए भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि अब भारत दुनिया की सबसे खराब स्पिन खेलने वाली टीमों में से एक बन चुका है।

भारत स्पिन के खिलाफ सबसे कमजोर टीमों में

अपने यूट्यूब चौनल पर श्ऐश की बातश में अश्विन ने कहा, श्आज के दौर में हम शायद दुनिया के सबसे कमजोर स्पिन खेलने वाले बल्लेबाजी यूनिट हैं। यह अचानक नहीं हुआ, इसके पीछे वजह है।श दक्षिण अफ्रीका के ऑफ–स्पिनर साइमन हार्मर ने दो मैचों में 17 विकेट लिए, जबकि केशव महाराज ने छह विकेट झटके। इससे पहले 2024 में न्यूजीलैंड के एजाज पटेल और मिचेल सैंटनर ने भी भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था।

न्यूट्रल क्यूरेटर और बदलती पिच फिलॉसफी

अश्विन ने बताया कि भारतीय घरेलू क्रिकेट की पिचों ने इस गिरावट में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, श्हमारी प्रथम श्रेणी क्रिकेट अब हर जगह न्यूट्रल क्यूरेटर नियंत्रित करते हैं। इसका उद्देश्य बेकार पिचों को रोकना था, लेकिन इसका असर यह हुआ कि हमने स्पिन खेलने की क्षमता खो दी। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से भारतीय टीम विदेशी परिस्थितियों में बेहतर पेस और सीम खेलना सीख गई है, लेकिन स्पिन बल्लेबाजी कमजोर हो गई।

स्पिन खेलने के लिए स्वीप जरूरी नहीं, डिफेंस जरूरी

अश्विन ने बताया कि भारतीय बल्लेबाज बेसिक तकनीक भूल चुके हैं। उन्होंने कहा, श्स्पिन खेलने का मतलब

यह नहीं कि शुरुआत से स्विप या रिवर्स स्विप खेलो। पहले मजबूत डिफेंस बनाओ, फिर शॉट्स चुनो। उन्होंने कहा, श्थकाने वाली, धैर्य वाली टेस्ट क्रिकेट। कम से कम न्यूजीलैंड ने रन बनाए और हम पर दबाव बनाने की कोशिश की। दक्षिण अफ्रीका ने ऐसा नहीं किया।

दक्षिण अफ्रीका ने खेला असली टेस्ट क्रिकेट

अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका की खेल शैली की तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने क्लासिक एट्रिशनल टेस्ट क्रिकेट खेला। हर सेशन में 80 रन, सटीक गेंदबाजी, कसा हुआ फील्ड सेट और स्पिनर्स को लंबे स्पेल। इसी तरह की क्रिकेट भारत में जीत दिलाती है। गुवाहाटी की जीत ने दक्षिण अफ्रीका को 25 साल बाद भारत में पहली टेस्ट सीरीज जीत दिलाई। वहीं, यह हार भारत की रन अंतर से सबसे बड़ी टेस्ट हार रही।

भारत को सुधार कैसे मिलेगा?

अश्विन के बयान ने भारतीय क्रिकेट सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या भारत को फिर से स्पिन–फ्रेंडली घरेलू क्रिकेट, तकनीकी सुधार और लंबे प्रारूप पर प्राथमिकता लौटानी होगी? इसी का जवाब तय करेगा कि क्या भारत टेस्ट क्रिकेट में अपनी खोई पहचान वापस पा पाएगा या नहीं।

अब भारत में नहीं, इंग्लैंड में ही खेलो, घरेलू मैदान पर हार पर इस पूर्व क्रिकेटर का तंज

नई दिल्ली। भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 0–2 की शर्मनाक हार क्या लगी, भारतीय क्रिकेट पर सवालों की बौछार होने लगी है। टीम इंडिया, जो कभी घरेलू मैदानों पर अजेय मानी जाती थी, अब लगातार लड़खड़ा रही है। भारत पिछले सात घरेलू टेस्ट में पांच हार चुका है, जो देश के क्रिकेट इतिहास के लिए एक चिंताजनक आंकड़ा है।

अब भारत को घर पर नहीं खेलना चाहिए

पूर्व भारतीय कप्तान कृष श्रीकांत ने भारत की हार पर बात करते हुए हल्के–फुल्के अंदाज में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, श्मेरे पास एक समाधान है। भारत को न्यूट्रल वेन्यू पर खेलना चाहिए। सारी टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में होनी चाहिए। वहां भारतीय फैंस भी आते हैं और टीम भी अच्छा खेलती है। अब भारत में कोई मैच मत खेलो।श उनकी टिप्पणी मजाक में दी गई थी, लेकिन भारतीय टीम की हालिया परफॉर्मेंस देखकर यह बात पूरी तरह अव्यवहारिक भी नहीं लगती।

बल्लेबाजी और आत्मविश्वास दोनों टूटे

दूसरे टेस्ट में भारत को 549 रन का लक्ष्य मिला था। पांचवे दिन भारत के पास आठ विकेट बचे थे और सिर्फ टिककर खेलने की जरूरत थी, लेकिन टीम केवल 140 रन पर सिमट गई और 408 रन से मैच हार गई। यह भारतीय टेस्ट इतिहास की रनों के अंतर से सबसे बड़ी हार थी। पहले मैच में स्पिन ट्रैक पर और दूसरे मैच में बल्लेबाजी के आसान विकेट पर भी टीम संघर्ष करती दिखी।

खिलाड़ियों की मानसिकता पर हमला

श्रीकांत ने मौजूदा कोच गौतम गंभीर पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, श्हार मानो। यह मत कहो कि कुछ गलत नहीं हुआ। सिस्टम में दिक्कत है। जवाबदेही कौन लेगा? उन्होंने आगे कहा, श्आपने अभिषेक नायर को निकाल दिया, अब यह खराब प्रदर्शन किसकी जिम्मेदारी है?श श्रीकांत के मुताबिक खिलाड़ियों को भी अपनी जिम्मेदारी

समझनी चाहिए। उन्होंने कहा, क्या ये बल्लेबाज सात घंटे टिककर मैच नहीं बचा सकते? जीत नहीं सकते तो ड्रॉ तो करा सकते हो!

भारतीय क्रिकेट का भविष्य

विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के रिटायरमेंट के बाद नई टीम में अनुभव की कमी साफ नजर आ रही है। भारत अब डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में पांचवें स्थान पर है और फाइनल में पहुंचना मुश्किल दिख रहा है। आगे भारत को श्रीलंका में दो टेस्ट, न्यूजीलैंड में दो टेस्ट और फिर 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच घरेलू टेस्ट खेलने हैं। यानी राह आसान नहीं है।

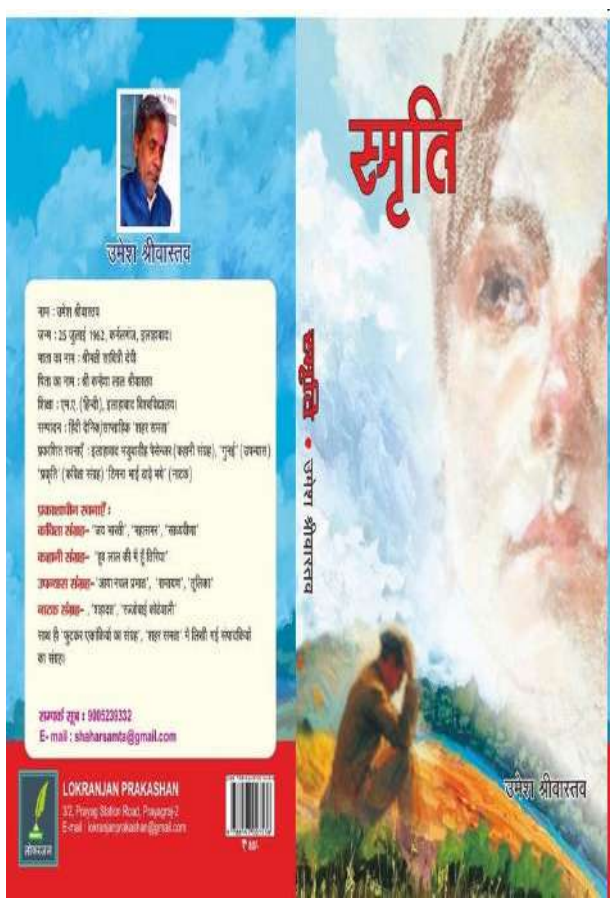

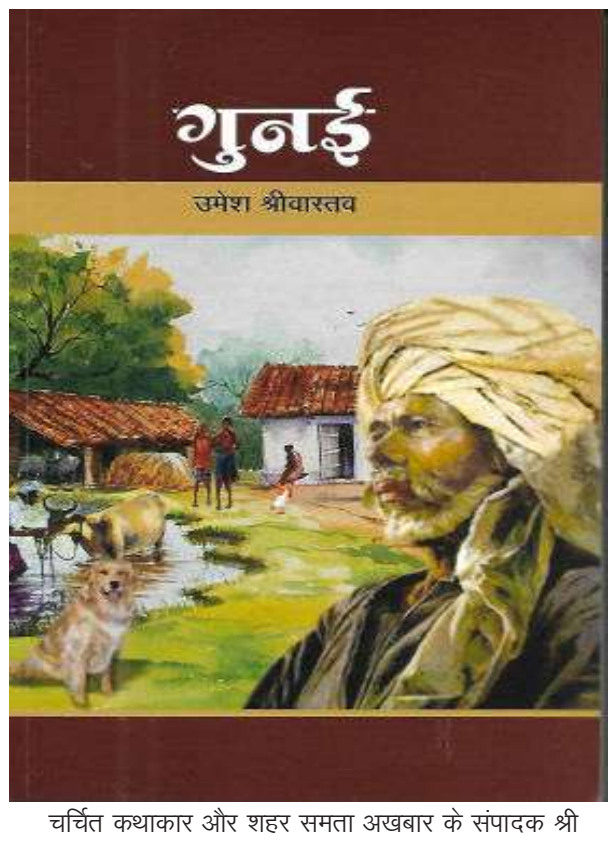

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

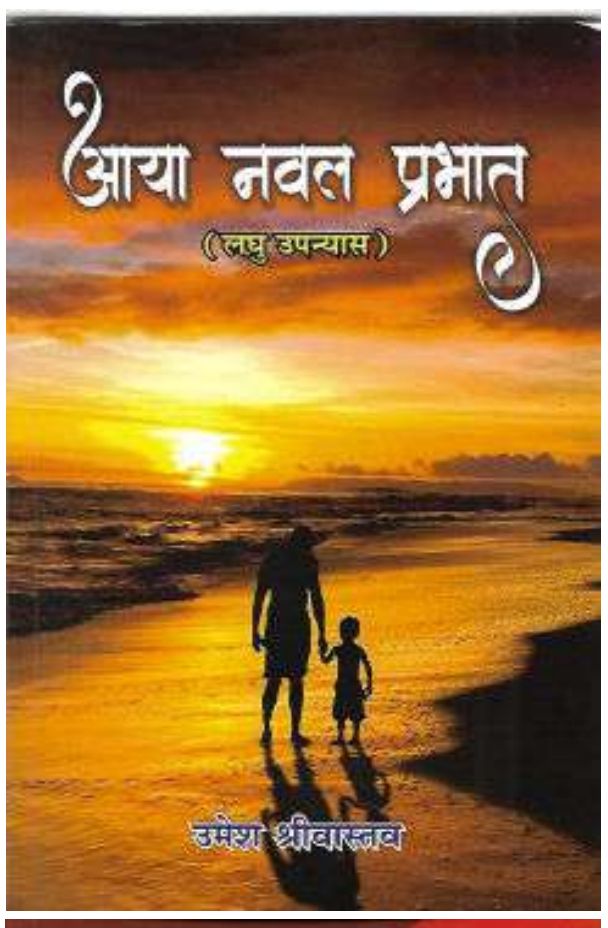

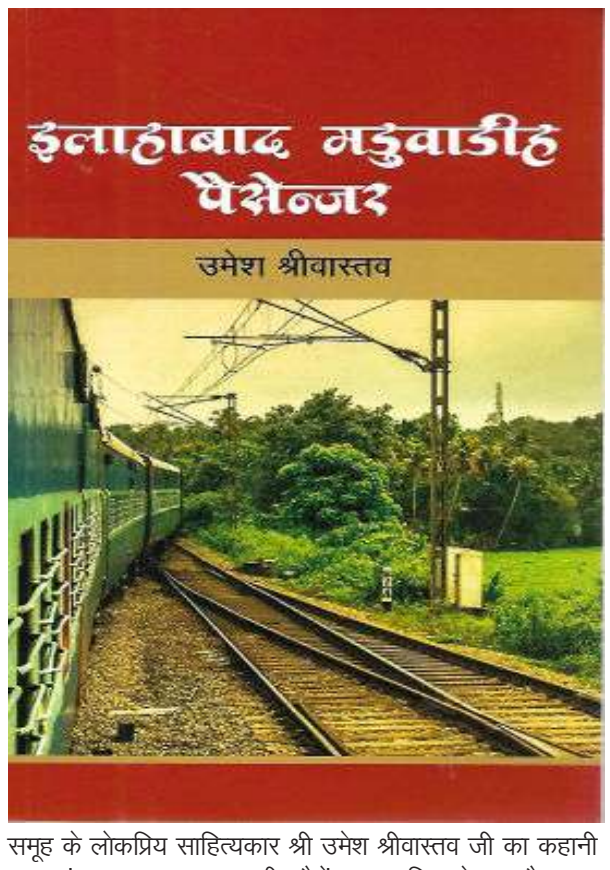

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

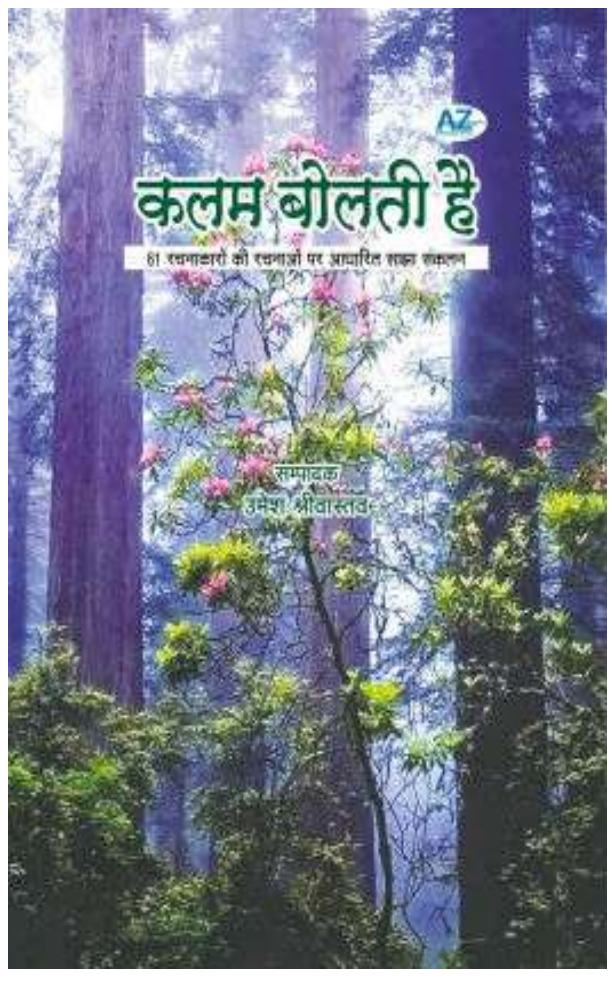

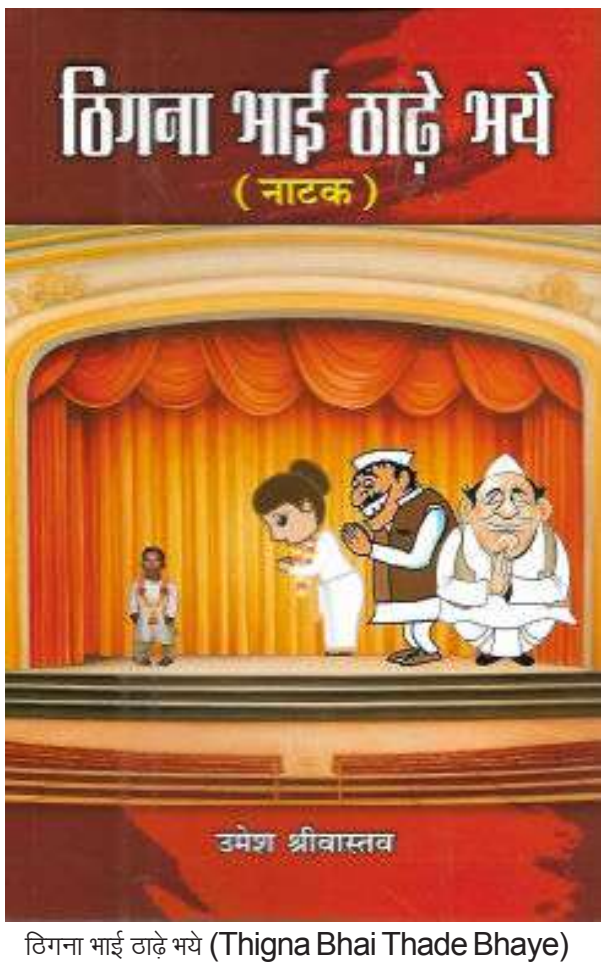

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान में लिव–इन रिलेशनशिप को बुराई बता जज बोले – इसी वजह से हुई नूर मुकादम की हत्या

संघीय संवैधानिक न्यायालय (थ्ब्) के एक सदस्य, पाकिस्तानी न्यायाधीश अली बकर नजफी ने कहा कि नूर मुकादम हत्याकांड समाज में फैल रही बुराई का सीधा परिणाम है जिसे लिविंग रिलेशनशिप के रूप में जाना जाता है। अपने बयान में सामाजिक रूप से रूढ़िवादी देश के न्यायाधीश लिव–इन रिलेशनशिप की ओर इशारा करते दिखे, जहाँ दो अविवाहित व्यक्ति एक साथ रहते हैं। 27 वर्षीय नूर की जुलाई 2021 में ज़हीर ज़ाकिर जाफ़र के इस्लामाबाद स्थित आवास पर हत्या कर दी गई थी। डॉन के अनुसार, मई में, हाशिम काकर की अध्यक्षता वाली और इश्तियाक इब्राहिम और नजफी सहित

सुप्रीम कोर्ट की तीन–न्यायाधीशों की पीठ ने ज़हीर को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा था, जिसे 2022 में इस्लामाबाद की एक निचली अदालत ने दोषी ठहराया था। पिछले महीने, सर्वोच्च न्यायालय ने ज़ाकिर की पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें उसे सुनाई गई मृत्युदंड की सज़ा को चुनौती दी गई थी। सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति नजफ़ी ने दोषी की ओर से वरिष्ठ वकील ख्वाजा हारिस अहमद से कहा कि उनके लिए उस अतिरिक्त नोट पर विचार करने के बाद बहस शुरू करना ज़्यादा उचित होगा, जो उन्होंने उस समय तक जारी नहीं किया था। डॉन के अनुसार, बाद में नजफी ने एफसीसी के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली, जिसकी स्थापना इस महीने की शुरुआत में 27वें संविधान संशोधन के बाद हुई थी। नूर हत्याकांड पर एक अतिरिक्त नोट में, जिसे बुधवार को सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया गया था, नजफी ने ज़हीर को सुनाई गई सजा को बरकरार रखा और कहा कि मौजूदा मामला उच्च समाज में फैल रही एक बुराई का सीधा परिणाम है जिसे हम शलिविंग रिलेशनशिपश के रूप में जानते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि ऐसे रिश्ते षसामाजिक मजबूरियोंष को नज़रअंदाज़ करते हैं और शरिया के तहत न केवल देश के कानून, बल्कि पर्सनल लॉष की भी अवहेलना करते हैं। 20 जुलाई, 2021 को इस्लामाबाद के पॉश सेक्टर थ–7/4 स्थित एक आवास में नूर की हत्या कर दी गई थी। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उसी दिन बाद में ज़हीर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई, जिसे हत्या स्थल से गिरफ्तार किया गया था।

बांग्लादेश में झुग्गी बस्ती में भीषण आग, हजारों बेघर

बांग्लादेश की राजधानी ढाका की एक घनी आबादी वाली झुग्गी बस्ती में भीषण आग लगने से 1,500 झोपड़ियां जल गईं, जिससे हजारों लोग बेघर हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल सेवा एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के अधिकारी राशिद बिन खालिद ने बताया कि ढाका की कोराइल झुग्गी बस्ती में मंगलवार शाम को आग लग गई थी जिसे 16 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बुधवार को बुझाया जा सका।

दमकल सेवा के निदेशक मोहम्मद ताजुल इस्लाम चौधरी ने बताया कि लगभग 1,500 झोपड़ियां जली हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 160 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैली इस बस्ती में लगभग 60,000 परिवार रहते हैं। यह झुग्गी बस्ती ढाका के पॉश इलाके गुलशन और बनानी इलाकों के बीच स्थित है। दमकलकर्मियों ने बताया कि संकरी गलियों के कारण उन्हें घटनास्थल तक पहुंचने में काफी संघर्ष करना पड़ा। वर्ष 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार ढाका की आबादी एक करोड़ से अधिक है और यहां सैकड़ों झुग्गियां हैं जिसमें बड़ी संख्या में लोग रहते हैं।

यूक्रेन युद्ध समाप्ति पर बातचीत में तेजी, क्रेमलिन ने अमेरिकी दूत की यात्रा की पुष्टि की

क्रेमलिन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को पुष्टि की कि अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ अगले सप्ताह मास्को का दौरा करेंगे, क्योंकि रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए आम सहमति बनाने के प्रयास तेज हो गए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने हालांकि जोर देकर कहा कि क्रेमलिन के अधिकारियों ने अभी तक अमेरिका का शांति प्रस्ताव नहीं देखा है, जबकिअमेरिका, रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधियों ने इस सप्ताह के शुरू में संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में वार्ता की थी। उशाकोव ने रूसी सरकारी मीडिया से कहा, "संपर्क जारी है, टेलीफ़ोन के जरिए भी, लेकिन अभी तक किसी ने गोलमेज बैठक मेंइसके हर बिंदु पर चर्चा नहीं की है। ऐसा नहीं हुआ है।" युद्ध समाप्त करने की ट्रंप की योजना पिछले हफ़्ते सार्वजनिक हुई, जिसके बाद कूटनीतिक पैंतरेबाजी का दौर शुरू हो गया। शुरुआती तौर पर, ऐसा लग रहा था कि रूस अपने पड़ोसी देश पर आक्रमण रोकने की मांग पर ज़्यादा जोर दे रहा था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिका राजधानी में खौफ का मंजर! व्हाइट हाउस के पास चली ताबड़तोड़ गोलियां, नेशनल गार्ड के दो सैनिकों की मौत

वॉशिंगटन, DC में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब व्हाइट हाउस से कुछ ही ब्लॉक दूर कई लोगों को गोली मार दी गई। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में तैनात वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड के दो सदस्यों को बुधवार को राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस से महज कुछ दूरी पर गोली मार दी गयी। वाशिंगटन की मेयर मयूरियल बाउजर ने इसे एक सुनियोजित हमला बताया है। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल और बाउजर ने कहा कि नेशनल गार्ड के दोनों सदस्यों की हालत गंभीर है, उनका उपचार किया जा रहा है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने शूटिंग की पुष्टि की, और लोगों से उस इलाके से दूर रहने की अपील की, जबकि अधिकारी और इमरजेंसी रेस्पॉन्डर मौके पर मौजूद थे। घटना के पीछे का मकसद अभी साफ नहीं है, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट्स में इसे हिंसा का एक बेशर्म और टारगेटेड काम बताया गया है। अमेरिका की राजधानी में नेशनल गार्ड की मौजूदगी महीनों से विवाद का मुद्दा बनी हुई है, जिससे अदालत में कानूनी लड़ाई और सार्वजनिक नीति पर व्यापक बहस छिड़ गई है। यह विवाद बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा सेना का इस्तेमाल किए जाने से जुड़ा है। वाशिंगटन पुलिस के कार्यकारी सहायक प्रमुख जेफरी कैरोल ने कहा कि जांचकर्ताओं को अभी हमले के पीछे के मकसद का पता नहीं चला है। उन्होंने बताया कि हमलावर एक ''कोने से आया'' और वीडियो फुटेज के अनुसार उसने सैनिकों को देखते ही गोलियां चलानी शुरू कर दीं। वेस्ट वर्जीनिया के गवर्नर पैट्रिक मॉरिसी ने शुरुआत में कहा था कि सैनिकों की मौत हो गई है, लेकिन बाद में उन्होंने बयान वापस लेते हुए कहा कि उनके कार्यालय को ''परस्पर विरोधाभासी खबरें'' मिल रही हैं। एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि पुलिस हिरासत में लिए गए एक संदिग्ध को भी गोली लगी है लेकिन ऐसा बताया गया है कि उसकी चोटें जानलेवा नहीं हैं। गोलीबारी के बाद ट्रंप प्रशासन ने तुरंत 500 और नेशनल गार्ड सदस्यों को वाशिंगटन भेजने का आदेश दिया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें अतिरिक्त सैनिक भेजने के लिए कहा है।

अफ़रा–तफ़री का चश्मदीदों का बयान

चश्मदीदों ने बताया कि जब दिनदहाड़े गोलियां चलने लगीं तो अफ़रा–तफ़री मच गई। स्टेसी वाल्टर्स, जो पास में ही अपनी कार में थीं, ने कहा कि उन्होंने दो गोलियों की आवाज़ सुनी और लोगों को भागते हुए देखा। उन्होंने याद करते हुए

कहा, आज का दिन बहुत सुंदर है। ऐसा कौन करेगा? और हम छुट्टियों की तैयारी कर रहे हैं। एम्मा मैकडोनाल्ड, जो अभी–अभी मेट्रो स्टेशन से बाहर निकली थीं, ने कहा कि उन्होंने और दूसरों ने एक कैफ़े में पनाह ली। कुछ देर बाद, उन्होंने देखा कि फ़र्स्ट रेस्पॉन्डर्स एक घायल गार्ड्समैन का इलाज कर रहे थे, जिसका सिर खून से लथपथ लग रहा था। ऑनलाइन शेयर किए गए वीडियो में मेडिकल टीमें टूटे हुए कांच और चमकती इमरजेंसी लाइटों के बीच एक सैनिक पर ब्व्ट करती दिख रही हैं। अगस्त में ट्रंप के फ़ेडरल ऑर्डर के तहत वेस्ट वर्जीनिया नेशनल गार्ड के 300 से ज़्यादा सदस्यों को ज़्यादा क्राइम वाले इलाकों में सुरक्षा मज़बूत करने के लिए वाशिंगटन में तैनात किया गया था। उनमें से लगभग 160 ने हाल ही में साल के आखिर तक अपनी तैनाती बढ़ाने के लिए अपनी मर्ज़ी से हामी भरी थी। नेशनल गार्ड की मौजूदगी राजनीतिक रूप से बांटने वाली रही है, जिससे कानूनी झगड़े हुए हैं और सिविलियन कानून लागू करने में मिलिट्री रिसोर्स के इस्तेमाल को लेकर बड़े सवाल उठे हैं। पिछले हफ्ते ही, एक फेडरल जज ने तैनाती खत्म करने का आदेश दिया, हालांकि अपील की इजाज़त देने के लिए फैसले को 21 दिनों के लिए रोक दिया गया था।

फेडरल और मिलिट्री जवाब

गोलीबारी के बाद, डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने कन्फर्म किया कि प्रेसिडेंट ट्रंप ने वाशिंगटन में 500 और नेशनल गार्ड मेंबर्स को भेजने का आदेश दिया है। अभी, शहर भर में काम कर रही जॉइंट टास्क फोर्स में करीब 2,200 सैनिक तैनात हैं। थैंक्सगिविंग के मौके पर फ्लोरिडा से बोलते हुए ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर हमले की निंदा की, हमलावर को जानवर कहा और कसम खाई कि उसे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने गार्ड और लॉ एनफोर्समेंट की तारीफ करते हुए उन्हें सच में महान लोग बताया और उन्हें अपने एडमिनिस्ट्रेशन के पूरे सपोर्ट का भरोसा दिलाया। वाइस प्रेसिडेंट जेडी वेंस ने केंटकी के फोर्ट कैंपबेल में सैनिकों को संबोधित करते हुए अमेरिकियों से घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करने की अपील की। उन्होंने उस गंभीर याद पर सोचा कि "सैनिक, चाहे एक्टिव ड्यूटी पर हों, रिज़र्व हों या नेशनल गार्ड, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका की तलवार और ढाल हैं।"

FBI डायरेक्टर काश पटेल और वाशिंगटन की मेयर म्यूरियल बोसर ने पहले कहा था कि सैनिक इलाके के अस्पतालों में गंभीर हालत में थे। वेस्ट वर्जीनिया के गवर्नर पैट्रिक मॉरिसी ने शुरू में बताया कि दोनों की मौत हो गई है, लेकिन बाद में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके कार्यालय को अलग–अलग जानकारी मिल रही थी। मॉरिसी ने कहा, जांच जारी रहने तक हम फेडरल अधिकारियों के संपर्क में हैं।ष गोलीबारी के दौरान गोली लगने और घायल होने के बाद एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया। लॉ एनफोर्समेंट अधिकारियों ने एसोसिएटेड प्रेस से नाम न बताने की शर्त पर कहा कि संदिग्ध की चोटें जानलेवा नहीं थीं। सर्विलांस फुटेज से पता चला कि शूटर हथियार निकालने से पहले सैनिकों के पास आया, और कम से कम एक सैनिक ने जवाबी फायरिंग की। अधिकारी अभी भी मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि हमला खास तौर पर गार्ड सदस्यों को टारगेट करके किया गया होगा।

गवाहों के बयान और मौके पर प्रतिक्रिया

गोलीबारी व्हाइट हाउस से लगभग दो ब्लॉक उत्तर–पश्चिम में एक व्यस्त चौराहे के पास हुई। सोशल मीडिया फुटेज में पैरामेडिक्स एक सैनिक पर ब्व्ट करते हुए दिखे, जबकि दूसरे का टूटे हुए फुटपाथ पर चोटों का इलाज किया जा रहा था। एक बंधक संदिग्ध पास में पड़ा हुआ देखा जा सकता था, जबकि लॉ एनफोर्समेंट अधिकारी घटनास्थल को सुरक्षित कर रहे थे। चश्मदीद स्टेसी वाल्टर्स, जो पास में अपनी कार में थीं, ने याद किया कि उन्होंने दो तेज गोलियों की आवाज सुनी और उसके बाद अफरा–तफरी मच गई। उन्होंने कहा, लगभग तुरंत, लॉ एनफोर्समेंट वाले इलाके में आ गए।ष ष्यह बहुत खूबसूरत दिन है। ऐसा कौन करेगा, और हम छुट्टियों की तैयारी कर रहे हैं? DC फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज़ के स्पोक्सपर्सन वीटो मैगियोलो ने कन्फर्म किया कि इमरजेंसी क्रू ने तीनों घायल लोगों को हॉस्पिटल पहुंचाया। इलाका तुरंत चमकती पुलिस लाइटों, ऊपर चक्कर लगाते हेलीकॉप्टरों और कई एजेंसियों के फेडरल एजेंटों से भर गया – जिसमें सीक्रेट सर्विस और ब्यूरो ऑफ अल्कोहल, टोबैको, फायरआर्म्स एंड एक्सप्लोसिव्स शामिल हैं।

हांगकांग की सबसे भयानक आग, अब तक 44 की मौत, 300 लोग लापता, साजिशन हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार

अधिकारियों ने बताया कि हांगकांग के ताइ पो ज़िले में ऊँची अपार्टमेंट बिल्डिंग में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 44 हो गई है। इस बीच, लगभग 300 लोग अभी भी लापता हैं, जबकि बचाव अभियान सुबह तक जारी रहा, जिसमें फायरफाइटर्स और इमरजेंसी टीमें जलती हुई बिल्डिंग से लोगों को निकाल रही हैं। हांगकांग में दशकों में लगी सबसे भयानक आग में, सैकड़ों लोगों को निकाला गया क्योंकि आग वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स के आठ में से सात टावरों में तेज़ी से फैल गई थी। जब आग ने ऊँची बिल्डिंगों को अपनी चपेट में लिया तो खिड़कियों से तेज़ नारंगी रंग की आग और घना धुआं निकल रहा था। अधिकारियों ने कहा कि 44 पीड़ितों में से 40 को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। कम से कम 62 अन्य घायल हो गए, जिनमें से कई बुरी तरह जल गए और धुएं में सांस लेने से चोटें आईं। फायर सर्विसेज़ डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार सुबह तक चार बिल्डिंग में लगी आग पर ''काबू'' पा लिया गया था। अधिकारियों

ने बताया कि आग एक बिल्डिंग, 32–मंज़िला टावर के बाहरी मचान पर लगी और बाद में बिल्डिंग के अंदर और फिर आस–पास की बिल्डिंगों में फैल गई, शायद तेज़ हवा की वजह से इसमें मदद मिली। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 700 लोगों को अस्थायी आश्रयों में पहुंचाया गया है। घटनास्थल के वीडियो में दमकलकर्मी आग बुझाने का प्रयास करते नजर आए। हांगकांग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉन ली ने कहा, ''पुलिस और अग्निशमन विभाग ने आग के कारणों की जांच के लिए टीम का गठन कर दिया है।'' उन्होंने बताया कि देर रात आग पर ''काबू'' पा लिया गया। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बुधवार को मृतक दमकलकर्मी के प्रति संवेदना व्यक्त की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। आवास परिसर में लगभग 2,000 फ्लैट वाली आठ इमारतें थीं, जिनमें लगभग बुजुर्गों समेत 4,800 निवासी रहते थे। यह आवास परिसर 1980 के दशक में बनाया गया था और हाल में इसका बड़े पैमाने पर नवीनीकरण किया गया है।

ज़्यादा तापमान से बचाव का काम मुश्किल हो रहा है

फायर चीफ ने कहा कि घटनास्थल पर ज़्यादा तापमान की वजह से क्रू के लिए बचाव का काम करना मुश्किल हो गया था। आग तेज़ी से बांस के मचान और बिल्डिंग के बाहर लगी कंस्ट्रक्शन की जाली पर फैल गई, जिससे आग की लपटें और घना धुआं उठने लगा। करीब 900 लोगों को टेम्पररी शेल्टर में पहुंचाया गया। अधिकारियों ने बताया कि सैकड़ों फायरफाइटर्स, पुलिस ऑफिसर्स और पैरामेडिक्स को तैनात किया गया था। फायरफाइटर्स ने ऊपर से सीढ़ी वाले ट्रकों से तेज़ आग पर पानी डाला। दोपहर में लगी आग को रात होने पर लेवल 5 अलार्म दृ जो गंभीरता का सबसे ज़्यादा लेवल है दृ तक अपग्रेड कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि फायरफाइटर्स के लिए हालात बहुत मुश्किल बने हुए थे। फायरफाइटर्स ने मौके पर 200 से ज़्यादा फायर गाड़ियां और करीब 100 एम्बुलेंस भेजीं। ताई पो, न्यू टेरिटरीज़ का एक सबअर्बन इलाका है, जो हांगकांग के उत्तरी हिस्से में है और मेनलैंड चीनी शहर शेनझेन के बॉर्डर के पास है। हांगकांग में बिल्डिंग बनाने और रेनोवेशन के प्रोजेक्ट्स में बांस की मचान आम बात है, हालांकि सरकार ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि वह सुरक्षा की चिंताओं के कारण पब्लिक प्रोजेक्ट्स के लिए इसे धीरे–धीरे हटाना शुरू कर देगी।

फांसी के बाद अब 21 साल कैद की सजा, शेख हसीना को बांग्लादेश भेज रहा भारत?

ढाका की एक अदालत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के आरोप में 21 साल कैद की सजा सुनाई। ढाका के विशेष न्यायाधीश–5 मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने शेख हसीना को प्लॉट धोखाधड़ी के तीन मामलों में 7–7 साल की सजा (21 साल कैद) सुनाई। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने पिछले जनवरी में शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ढाका के पुरबाचल इलाके में कथित तौर पर अवैध रूप से सरकारी प्लॉट आवंटित करने के लिए छह अलग–अलग मामले दर्ज किए थे। बाकी तीन मामलों में फैसला 1 दिसंबर को सुनाया जाएगा। अदालत ने शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय को पांच साल कैद और 100,000 टका का जुर्माना लगाया। अदालत ने शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी पांच साल कैद की सजा सुनाई। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने शेख हसीना को जुलाई 2024 के सरकार विरोधी प्रदर्शनों को दबाने के उनके प्रयासों के लिए मानवता के विरुद्ध अपराधों का दोषी पाते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई है। शेख हसीना और उनके परिवार के पास इन मामलों में कोई वकील नहीं था क्योंकि वे फरार थे। हालाँकि, उन्होंने विभिन्न भाषणों और बयानों में किसी भी भ्रष्टाचार के आरोपों में शामिल होने से इनकार किया है। इस बीच, विदेश मंत्री ने कहा कि भारत सरकार वर्तमान में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के उस अनुरोध की जांच कर रही है जिसमें उसकी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई है, जिन्हें पिछले साल जुलाई–अगस्त में हुई अशांति के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से संबंधित एक मामले में देश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा मौत की सजा सुनाई गई थी। एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली को इस मामले पर ढाका से औपचारिक रूप से पत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपनी ष्चल रही न्यायिक और आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओंष के तहत बांग्लादेश की स्थिरता और उसके लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। जायसवाल ने कहा कि हाँ, हमें अनुरोध प्राप्त हुआ है और इस अनुरोध की जाँच की जा रही है। चल रही न्यायिक और आंतरिक कानूनी प्रक्रियाओं के एक भाग के रूप में, हम बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हित, जिसमें उस देश में शांति, लोकतंत्र, समावेशिता और स्थिरता शामिल है, के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस संबंध में सभी राज्य हितधारकों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़े रहेंगे।

खैबर पख्तूनख्वा में

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

पुतिन के बाद अब जिनपिंग से भी डरे ट्रंप! जापान को ही ताइवान पर दे दी हिदायत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक फ़ोन पर बातचीत के दौरान जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची से ताइवान को लेकर चीन के साथ तनाव बढ़ाने से बचने का आग्रह किया, क्योडो न्यूज़ ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल के हवाले से बताया। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब इस महीने की शुरुआत में संसद में ताकाइची की टिप्पणी के बाद टोक्यो–बीजिंग के बीच तनाव बढ़ गया है। ताकाइची ने संकेत दिया था कि द्वीप पर चीन का हमला ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है जिसके लिए जापान के रक्षा बलों को कार्रवाई करनी पड़ सकती है। क्योडो न्यूज़ के अनुसार, अख़बार ने इस बातचीत से परिचित लोगों के हवाले से कहा कि ट्रंप का मार्गदर्शन सोच–समझकर लिया गया था और उन्होंने ष्ताकाइची पर अपनी टिप्पणी वापस लेने का दबाव नहीं डाला। एक जापानी सरकारी सूत्र ने गुरुवार को क्योडो न्यूज़ को बताया कि दोनों नेताओं ने बातचीत के दौरान चीन के साथ राजनयिक तनाव कम करने के लिए मिलकर काम करने पर चर्चा की। ट्रम्प ने ताकाइची के दृढ़ राष्ट्रीय सुरक्षा रुख की अक्सर प्रशंसा की है, और अपनी हालिया जापान यात्रा के दौरान, उन्होंने द्विपक्षीय गठबंधन की मज़बूती पर ज़ोर दिया। हालाँकि, क्योडो न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार,

उनकी टिप्पणियों ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को ट्रम्प के लिए एक संवेदनशील क्षण में नाराज़ कर दिया है, जो वर्तमान में बीजिंग के साथ स्थिर संबंध बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस चर्चा से अवगत एक व्यक्ति का हवाला देते हुए लिखा कि ट्रम्प ने ताकाइची को ताइवान पर अपना रुख नरम करने का सुझाव दिया, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें घरेलू स्तर पर राजनीतिक बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है और संभवतः वे उन बयानों को पूरी तरह से वापस नहीं ले पाएँगी जिनसे चीन भड़क गया था। जापानी अधिकारी कथित तौर पर ट्रम्प के संदेश से नाखुश थे, और इसे इस संकेत के रूप में व्याख्यायित कर रहे थे कि वह नहीं चाहते कि ताइवान का मुद्दा पिछले महीने शी जिनपिंग के साथ हुई उनकी बातचीत में खलल डाले, जिसमें चल रहे व्यापार विवाद के बीच अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने का चीन का वादा भी शामिल था। ट्रम्प ने संवाददाताओं से कहा कि सोमवार रात ताकाइची के साथ उनकी ष्अच्छी बातचीतष हुई और उनका मानना ष्है कि जापान और चीन दोनों ष्ठीक चल रहे हैंष। जापानी नेता के साथ उनकी बातचीत शी जिनपिंग से बातचीत के तुरंत बाद हुई।